दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-143 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

‘शिक्षा का असली उद्देश्य केवल रोजगार पाना नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ खड़े होने की समझ और साहस पैदा करना है। ‘

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट
हरेश पंवार
Contact No.
9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

‘शिक्षा का बाजारीकरण: क्या ‘शेरनी का दूध’ अब अमीरों तक सीमित? ‘

किसी भी सभ्य और प्रगतिशील समाज की नींव शिक्षा पर टिकी होती है। यह केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, समानता और आत्मसम्मान का सबसे सशक्त उपकरण है। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में शिक्षा का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि यही वह माध्यम है जो सामाजिक विषमताओं को समाप्त कर एक समतामूलक समाज की स्थापना कर सकता है। लेकिन आज जिस प्रकार शिक्षा का तेजी से निजीकरण हो रहा है, उसने इस मूलभूत अधिकार को एक महंगी वस्तु में परिवर्तित कर दिया है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा था– 'शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो इसे पिएगा वह दहाड़ेगा।' यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है, लेकिन विडंबना यह है कि वर्तमान दौर में यह 'शेरनी का दूध' अब हर किसी के लिए सुलभ नहीं रहा। शिक्षा का उद्देश्य जहां पहले ज्ञान का प्रसार और व्यक्तित्व का विकास था, वहीं आज यह धीरे-धीरे एक मुनाफे का व्यवसाय बनता जा रहा है। निजीकरण के बढ़ते प्रभाव ने शिक्षा को दो वर्गों में बांट दिया है–एक वह, जो महंगे निजी संस्थानों में आधुनिक सुविधाओं और डिजिटल संसाधनों के साथ पढ़ता है; और दूसरा वह, जो संसाधनों की कमी से जूझते सरकारी स्कूलों में अपने भविष्य के लिए संघर्ष करता है। यह विभाजन केवल शैक्षणिक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता को भी गहरा करता है। शोषित, वंचित और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए शिक्षा हमेशा से उन्नति का सबसे बड़ा माध्यम रही है। सरकारी स्कूल और कॉलेज उनके लिए आशा की किरण साबित हुए हैं। लेकिन जब निजी संस्थानों की फीस आसमान छूने लगती है, तो एक गरीब या मजदूर परिवार के लिए अपने बच्चों को वहां पढ़ाना केवल एक सपना बनकर रह जाता है। परिणामस्वरूप, ये बच्चे उसी सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के दायरे में सीमित रह जाते हैं, जिससे निकलने का एकमात्र रास्ता शिक्षा ही थी।

संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समानता का अधिकार दिया है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती असमानता इस अधिकार को कमजोर कर रही है। निजी संस्थानों में आरक्षण की स्पष्ट और प्रभावी व्यवस्था का अभाव, शोषित वर्गों को उच्च शिक्षा और बेहतर अवसरों से दूर कर रहा है। इससे सामाजिक न्याय की अवधारणा पर सीधा आघात होता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि शिक्षा का निजीकरण केवल एक आर्थिक नीति नहीं, बल्कि एक ऐसी व्यवस्था बनती जा रही है, जो अनजाने में ही सही, एक बड़े वर्ग को ज्ञान से वंचित कर रही है। यदि समाज का एक बड़ा हिस्सा शिक्षित नहीं होगा, तो वह अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कैसे होगा? वह सामाजिक अन्याय के खिलाफ आवाज कैसे उठाएगा? गांवों, ढाणियों और झुग्गी-झोपड़ियों में आज भी अनगिनत प्रतिभाएं छिपी हुई हैं। लेकिन संसाधनों और अवसरों की कमी के कारण ये प्रतिभाएं उभर नहीं पातीं। महंगी कोचिंग, भारी-भरकम फीस और प्रतिस्पर्धा के इस दौर में गरीब बच्चों के लिए आगे बढ़ना बेहद कठिन हो गया है। कई बार परिस्थितियां उन्हें पढ़ाई छोड़ने और बाल श्रम की ओर धकेल देती हैं, जो न केवल उनके भविष्य को अंधकारमय बनाता है, बल्कि राष्ट्र की प्रगति को भी बाधित करता है।

निजीकरण का एक और गंभीर प्रभाव यह है कि शिक्षा का उद्देश्य सीमित होकर केवल 'कौशल' तक रह जाता है। इससे ऐसे लोग तैयार होते हैं, जो केवल नौकरी करने के लिए प्रशिक्षित होते हैं, लेकिन समाज को दिशा देने वाले विचारक, चिंतक और नेतृत्वकर्ता नहीं बन पाते। यह स्थिति एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। वास्तव में, शिक्षा का बाजारीकरण सामाजिक न्याय के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। यदि शिक्षा को केवल लाभ कमाने का माध्यम बना दिया गया, तो यह समाज में असमानता को और बढ़ाएगा। एक ऐसा समाज, जहां केवल संपन्न वर्ग ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके, वह कभी भी न्यायपूर्ण और समतामूलक नहीं हो सकता। आज आवश्यकता है कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाए। सरकारी स्कूलों और विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार किया जाए, ताकि वे निजी संस्थानों के समकक्ष खड़े हो सकें। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि शिक्षा हर वर्ग के लिए सुलभ और किफायती हो। यह भी जरूरी है कि शिक्षा को 'बाजार की वस्तु' बनने से रोका जाए। क्योंकि जब शिक्षा बिकने लगती है, तो लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होने लगती हैं। एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण तभी संभव है, जब उसके नागरिक शिक्षित, जागरूक और समान अवसरों से युक्त हों।

अंतत:, यह समझना होगा कि शोषित समाज के बच्चों को शिक्षा से वंचित करना केवल उनके साथ अन्याय नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। यदि हमें एक सशक्त, समृद्ध और न्यायपूर्ण भारत का निर्माण करना है, तो शिक्षा को हर हाल में सबके लिए सुलभ बनाना होगा।

शिक्षा अधिकार है, व्यापार नहीं–और इसे इसी रूप में बचाए रखना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

नहीं पढ़ाया जाएगा राजस्थान का इतिहास और स्वर्णिम भारत

राजस्थान बोर्ड ने 9वीं से 12वीं तक की 4 किताबें हटाईं, स्कूलों को दिए निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज

बीकानेर । माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की सिफारिश पर कक्षा 9 से 12 तक की चार पुस्तकों को सिलेबस से हटा दिया गया है। इस सेशन में इन पुस्तकों का निशुल्क वितरण भी नहीं होगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के समाज शिक्षा विभाग ने इस संबंध में गुरुवार दोपहर 1 बजे आदेश जारी किए। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए कक्षा 9 से 12 तक की चार पुस्तकों को विद्यालयों में नहीं पढ़ाने के निर्देश दिए हैं। यह निर्णय इन पुस्तकों के विलोपन (डिस्कन्टीन्यू) किए जाने के कारण लिया गया है।

बोर्ड के प्रस्ताव पर हटी पुस्तकें

समाज शिक्षा के उप निदेशक अशोक कुमार पारीक ने बताया कि चार पुस्तकों को हटाने के संबंध में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने प्रस्ताव दिए थे। इस पर राज्य सरकार के निर्णय के बाद पुस्तकों को हटाया गया है। यह निर्णय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान के 11 अप्रैल को दिए पत्र तथा समग्र शिक्षा जयपुर के फरवरी में दिए गए आदेश की पालना में किया गया है।

स्कूलों को दिए गए निर्देश

निदेशालय ने समस्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों एवं समग्र शिक्षा के पदेन जिला परियोजना समन्वयकों को निर्देशित किया कि वे सुनिश्चित करें कि हटाई गई इन पुस्तकों का अध्ययन शैक्षणिक सत्र 2026-27 में किसी भी स्कूल में न कराया जाए।

राजस्थान में कौन करता है तय

राजस्थान में शिक्षा विभाग से जुड़े स्कूलों में कक्षा 8 तक का पाठ्यक्रम उदयपुर स्थित एसआईईआरटी यानी राजस्थान शैक्षिक अनुसंधान परिषद तय करता है।

इन पुस्तकों को हटाया गया

कक्षा 9 - राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं धरोहर (हिंदी/अंग्रेजी माध्यम)
कक्षा 10 - राजस्थान का इतिहास एवं संस्कृति (हिंदी/अंग्रेजी माध्यम)
कक्षा 11 - आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत - भाग 1 (हिंदी/अंग्रेजी माध्यम)
कक्षा 12 - आजादी के बाद का स्वर्णिम भारत - भाग 2 (हिंदी/अंग्रेजी माध्यम)

4 किताबों को लेकर मुख्यमंत्री को लिखा था लेटर

सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा- राजस्थान राज्य पाठ्य पुस्तक मंडल जयपुर की कक्षा 9 के लिए प्रकाशित पुस्तक 'राजस्थान का स्वतंत्रता आंदोलन एवं शौर्य परपंरा' को लेकर मैंने आपत्ति की थी। इस पुस्तक के चैप्टर-4 के पेज नंबर 42 में लिखे तथ्यों में संशोधन के लिए आग्रह किया था। आपत्ति के बाद भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर ने इस प्रकाशित अंश को सही बताया और संशोधन की आवश्यकता नहीं बताई। इसके बाद मैंने तथ्यों सहित मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की टिप्पणी पूर्णतया असत्य होकर वामपंथी विचारधारा से प्रेरित थी। लेखक मंडल की ओर से दी गई राय में कई भ्रामक टिप्पणियों का उपयोग किया गया था। विभिन्न आपत्तियों के बाद आखिरकार 4 पुस्तकों को शिक्षा विभाग ने बंद करने के आदेश जारी किया।

मेडिकल कॉलेजों में नियमित पद खत्म, नर्सिंगकर्मियों में रोष

चूरू सहित 7 कॉलेजों में 1267 पद समाप्त, काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । चूरू सहित प्रदेश के सात मेडिकल कॉलेजों में 1267 नियमित नर्सिंग पदों को समाप्त करने के विरोध में गुरुवार को नर्सिंग अधिकारियों ने प्रदर्शन किया। राजमेस के अधीन चूरू के पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज में भी 156 नियमित पद खत्म किए गए हैं। डीबी अस्पताल के नर्सिंग अधिकारियों ने काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया। यह निर्णय राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग सिविल पोस्ट रूल्स के तहत पदों पर नियुक्ति के लिए लिया गया है, जिसके तहत अब नियमित पदों की जगह संविदा पर भर्तियां होंगी। नर्सिंग ऑफिसर प्रदीप चौधरी और ताराचंद मेघवाल ने बताया कि इस निर्णय से चूरू कॉलेज के लगभग 120 नर्सिंग अधिकारियों पर सीधा असर पड़ा है, जिससे कर्मचारियों में अनिश्चितता का माहौल है। उन्होंने राजमेस से इस निर्णय को तत्काल वापस लेने की मांग की। नर्सिंग अधिकारियों ने बताया कि 15 अप्रैल से 19 अप्रैल तक काली पट्टी बांधकर प्रतीकात्मक विरोध जारी रहेगा। इसके बाद 20 अप्रैल से 26 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 8 से 10 बजे तक कार्य बहिष्कार किया जाएगा। हालांकि, इस दौरान इमरजेंसी, ऑपरेशन थिएटर और लेबर रूम जैसी आवश्यक सेवाएं मरीजों की सुविधा के लिए पहले की तरह जारी रहेंगी। इससे पहले, नर्सिंग अधिकारियों ने मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. एमएम पुकार से मिलकर ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर शहनवाज कुरैशी, संदीप धोलपुरिया, उर्मिला, संदीप भाकर, बबीता, प्रीति, सनी सिंह, चंद्रकला, रमेश, निरंजनलाल, ऊषा, संजू शर्मिला और पूजा सारण सहित कई अन्य नर्सिंग अधिकारी मौजूद थे।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड: केबीएम पब्लिक स्कूल मंड्रेला का दबदबा, केशव ने किया टॉप

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंड्रेला।

कस्बे के प्रतिष्ठित केबीएम पब्लिक स्कूल ने सीबीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में एक बार फिर अपनी सफलता का परचम फहराया है। कम फीस में बेहतर परिणाम देने के संकल्प के साथ क्षेत्र के एकमात्र सीबीएसई स्कूल के रूप में पहचान बनाने वाले इस संस्थान का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। परीक्षा परिणामों में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए जिनमें केशव (पुत्र नंदलाल) 97.40 प्रतिशत (प्रथम स्थान), दक्ष (पुत्र संदीप बुडानिया) 95.00 प्रतिशत, नव्या 92.00प्रतिशत, अमन (पुत्र राजेश कुमार) 92.00प्रतिशत, दक्षित (पुत्र संजय कुमार) 91.20 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। मेरिट सूची में शीर्ष स्थान पाने वाले छात्र केशव और दक्ष ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है। दोनों ही छात्रों ने भविष्य में डॉक्टर बनकर समाज सेवा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। शानदार सफलता पर स्कूल में खुशी की लहर दौड़ गई और जश्न मनाया गया। विद्यालय के संस्थापक मेवासिंह बोला ने चेयरमैन अंशुल बोला, प्रधानाचार्या डॉ. सरोज चौधरी, कार्यकारिणी अध्यक्ष नरेश धनखड़ और समस्त स्टाफ सहित विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

■ यह सफलता विद्यार्थियों के कड़े परिश्रम, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के निरंतर सहयोग का साझा परिणाम है। हमारा उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को न्यूनतम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।- अंशुल बोला, चेयरमैन

फतेहाबाद में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए 6 राइडर तैनात

पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता खट्टर ने हरी झंडी दिखाकर टीम को किया रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा विशेष पहल करते हुए 6 ट्रैफिक राइडर तैनात किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने इन राइडर्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, ताकि शहर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। थाना ट्रैफिक फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक जय सिंह ने बताया कि इन राइडर्स को शहर के अलग-अलग जोन में तैनात किया गया है, जहां वे ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित करने, जाम की स्थिति से निपटने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। प्रत्येक राइडर को निर्धारित क्षेत्र में लगातार गश्त करने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जोन-1 में लाल बत्ती चौक, फव्वारा चौक, चार मरला कॉलोनी मेन रोड, थाना रोड व जवाहर चौक क्षेत्र को कवर किया जाएगा। जोन-2 में लाल बत्ती चौक, हंस मार्केट, पुराना बस अड्डा, अनाज मंडी मेन गेट सिरसा रोड तथा शिवालय मार्केट तक निगरानी रखी जाएगी। जोन-3 में लाल बत्ती चौक, बीघड़ चौक, शिव चौक, देवी लाल मार्केट, पंचायत भवन, भुना मोड़ व लघु सचिवालय क्षेत्र शामिल किए गए हैं। इसी प्रकार जोन-4 में पपीहा पार्क, सिरसा रोड, एमएम कॉलेज रोड, रतिया चुंगी व हांसपुर बाईपास चौक, जोन-5 में जवाहर चौक, डीएसपी रोड, खेमाखाती चौक, नागपाल चौक तथा पंचायत भवन, जबकि जोन-6 में थाना रोड पार्किंग, अरोड़वंश धर्मशाला रोड, सन्यास आश्रम रोड, तुलसीदास चौक व वाल्मीकि चौक को कवर किया जाएगा। पुलिस द्वारा यह पहल शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने, जाम की समस्या को कम करने तथा आमजन को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस व्यवस्था की लगातार निगरानी की जाएगी और आवश्यकतानुसार इसमें सुधार भी किया जाएगा।

ब्लॉक अध्यक्ष बनने पर फगेड़िया का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ।

पीईईओ मानासी के अधीन राजकीय उप्रा विद्यालय ढाणी धाभाईयों में राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत उपशाखा लक्ष्मणगढ़ के ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित होने पर रामावतार फगेड़िया का साफा पहनाकर और गुलदस्ता भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक रामचंद्र मील, अध्यापक ओमप्रकाश सर्वा, दिनेश बगड़िया, अध्यापिका सुमित्रा, मंजु शर्मा, सुलोचना,संगीता, नीतु, मंजु पारीक, नीलम आदि उपस्थित थे।

एम.डी. लिटिल फ्लावर स्कूल के विद्यार्थियों ने परखा चिकित्सा विज्ञान का कौशल, डीएसएम अस्पताल का किया शैक्षणिक भ्रमण

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिकित्सा के क्षेत्र में भविष्य संवारने का सपना देख रहे एम.डी. लिटिल फ्लावर स्कूल के विद्यार्थियों ने गुरुवार को चिड़ावा के प्रतिष्ठित डीएसएम अस्पताल का शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यालय के चेयरमैन सुनील डांगी, निदेशक सुमित डांगी एवं प्राचार्य अंकित शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर इस दल को रवाना किया। इस दौरान चेयरमैन सुनील डांगी ने विद्यार्थियों को अनुशासन और जिज्ञासा के साथ सीखने के लिए प्रेरित किया। अस्पताल पहुँचने पर चेयरमैन डॉ. देवेन्द्र चाहर एवं डॉ. शिवा चाहर ने विद्यार्थियों का स्वागत किया और उन्हें नीट (हृश्वश्वञ्ज) की तैयारी से लेकर एक सफल चिकित्सक बनने तक के सफर की विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बच्चों को धैर्य, करुणा और नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने इमरजेंसी वार्ड, हाई-टेक डायग्नोस्टिक लैब, डिजिटल एक्स-रे, आईसीयू, एनआईसीयू और एडवांस सीटी स्कैन जैसी आधुनिक तकनीकों को करीब से देखा। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने 'लक्षण से निदान' तक की प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया और विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। बच्चों ने अस्पताल में संक्रमण नियंत्रण और बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन की कार्यप्रणाली को भी समझा। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञानवर्धन के लिए भविष्य में भी ऐसे शैक्षणिक दौरे आयोजित किए जाते रहेंगे। अंत में विद्यालय परिवार ने अस्पताल प्रबंधन व चिकित्सक दल का आभार व्यक्त किया।

विकास कस्वां बने महाराजा सूरजमल संगठन के राजस्थान प्रदेश महासचिव

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

महाराजा सूरजमल संगठन (भारत) ने अपनी प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए झुंझुनू जिले के जखौड़ा गांव के रहने वालें हाल चिड़ावा निवासी विकास कस्वां को राजस्थान का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.एस. चौधरी की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष सुरेश डिंडा ने इस नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा की। विकास कस्वां के समाज के प्रति सेवा भाव, अटूट निष्ठा और अब तक के सक्रिय कार्यों को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। नियुक्ति पत्र जारी करते हुए संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया है कि विकास कस्वां के नेतृत्व में संगठन की गतिविधियाँ प्रदेश में और अधिक प्रभावी होंगी तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने और आपसी भाईचारा बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि नई जिम्मेदारी मिलने के बाद विकास कस्वां जल्द ही कार्यकारिणी का गठन कर संगठन की नीतियों का प्रचार-प्रसार करेंगे। अपनी नियुक्ति पर आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त प्रदेश महासचिव विकास कस्वां ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व को आश्वस्त किया कि वे सदैव समाज हित में समर्पित रहेंगे और महाराजा सूरजमल के आदर्शों पर चलते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उनकी इस नियुक्ति पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों और युवाओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं–

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म–प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं ? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12पद्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि ?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20–50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू–डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ–साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा–चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग–अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ–साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ–साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी–बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

महवा की बोहराज स्कूल का सीबीएसई बोर्ड परिणामो में बजा डंका, 'मेहनत की मशाल' ने जिले में रचा इतिहास

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता खुद शोर मचाए '–इस कहावत को चरितार्थ करते हुए द बौहराज ग्लोबल स्कूल, महवा ने कक्षा 10 सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणामों में ऐसा परचम लहराया कि पूरे क्षेत्र में शिक्षा की नई मिसाल कायम हो गई। ग्रामीण अंचल से निकलकर प्रतिभा का यह उजास अब जिले भर में चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां विद्यार्थियों ने अपने दमखम से यह साबित कर दिया कि लगन और अनुशासन के आगे कोई बाधा बड़ी नहीं होती। इस वर्ष के परिणामों में मानसी शर्मा ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय ही नहीं बल्कि क्षेत्र का गौरव बढ़ाते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं सोहिल खॉन और स्वप्निल मीना ने 95-95 प्रतिशत अंक अर्जित कर संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा दिव्यांशी शर्मा ने 92 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपनी प्रतिभा का दमदार प्रदर्शन किया । परिक्षा परिणामों की तस्वीर बताती है कि सात विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर उत्कृष्टता की नई लकीर खींची, जबकि लगभग 40 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर यह संकेत दे दिया कि विद्यालय में शिक्षा का स्तर लगातार ऊंचाइयों को छू रहा है। विद्यालय के अन्य मेधावी विद्यार्थियों में दिव्यांशी शर्मा, आदित्य राज, हर्षित चौधरी, प्राची भारद्वाज, अंशु चौधरी, आशी बंसल, दिव्यांश गुप्ता, यथार्थ शर्मा, खुशबू सैनी, हिमांशु, मस्तराम गुर्जर, शुभम जांगिड़, भारत जोरवाल, दीक्षा चौहान, तरुण पराशर, सनातन बौहरा एवं कार्तिक मीणा जैसे नाम शामिल हैं, जिन्होंने अपने प्रदर्शन से यह संदेश दिया कि 'जहां चाह, वहां राह' केवल कहावत नहीं, बल्कि सच्चाई है। परिणामों की घोषणा के साथ ही विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल देखने को मिला, जहां विद्यार्थियों के चेहरे पर सफलता की चमक साफ झलक रही थी। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने इस उपलब्धि को विद्यार्थियों की कठोर मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के विश्वास का संयुक्त प्रतिफल बताते हुए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता केवल अंकों का खेल नहीं, बल्कि अनुशासन, निरंतर प्रयास और सही मार्गदर्शन का परिणाम है, जो भविष्य में और बड़ी उपलब्धियों की नींव रखेगा।

इस अवसर पर विद्यालय निदेशक विनय बौहरा एवं सह-निदेशक विकास बौहरा, प्रिंसिपल दिव्या मिश्रा, वाइस प्रिंसिपल श्वेता राणा सहित समस्त शिक्षकों की उपस्थिति ने इस सफलता को सामूहिक उपलब्धि का स्वरूप दे दिया। एक्स एलन फैकल्टी के योगेश, दीपक, महेश, अभिषेक शर्मा, अभिषेक व्यास, मनीष, जितेंद्र, संध्या और हरीश त्रिपाठी सहित पूरे स्टाफ ने विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में जो भूमिका निभाई, वह इस परिणाम में साफ तौर पर झलकती है।

ग्रामीण परिवेश में शिक्षा की यह चमक इस बात का प्रमाण है कि यदि संसाधनों के साथ सही दिशा और संकल्प जुड़ जाए, तो छोटे कस्बों से भी बड़े सपनों की उड़ान भरी जा सकती है। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि यह सफलता आने वाले वर्षों में और भी बड़ी उपलब्धियों का मार्ग प्रशस्त करेगी। 'कदम चूम लेती है खुद बढ़ के मंजिल, मुसाफिर अगर हिम्मत न हारे '– बौहराज स्कूल के इन नौनिहालों ने इस पंक्ति को साकार कर दिखाया है, और अब यह सफलता पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा बनकर उभर रही है।

नीमराना की एमडी इंडस्ट्रीज में मजदूरों की हड़ताल, सुविधाओं और वेतन बढ़ोतरी की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । नीमराना कस्बे की एमडी इंडस्ट्रीज लिमिटेड में काम करने वाले मजदूरों ने बुधवार को कंपनी प्रबंधन के खिलाफ हड़ताल कर दी। महिला मजदूरों सहित सभी श्रमिकों ने कंपनी में काम करने से इनकार कर दिया। मजदूरों का आरोप है कि अपनी समस्याएं कंपनी के अधिकारियों के समक्ष बार-बार रखने के बावजूद कोई समाधान नहीं किया गया। हड़ताल के दौरान मजदूरों ने अपनी मांगें रखते हुए कहा कि महीने में 26 दिन काम के बदले 4 दिन की छुट्टियां दी जाएं, कार्य के दौरान टी ब्रेक मिले, खाने की उचित व्यवस्था हो और सभी को प्रॉपर यूनिफॉर्म उपलब्ध कराई जाए। मजदूरों ने यह भी मांग की कि सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2026 से लागू की गई नई वेतन सारणी के अनुसार राजस्थान के नियमों के तहत निर्धारित प्रतिदिन मजदूरी का भुगतान किया जाए। मजदूरों का कहना है कि उन्हें यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि नई वेतन दरें कंपनी में लागू हुई हैं या नहीं। इसके अलावा उन्होंने मांग की कि यदि कंपनी द्वारा ओवरटाइम कराया जाता है तो उसका अतिरिक्त भुगतान किया जाए। हड़ताल में रविंद्र महिलावत, हरीश कुमार, अनीता देवी, चैतन्य सहित बड़ी संख्या में मजदूर साथी उपस्थित रहे। सभी मजदूरों ने एकजुट होकर प्रबंधन से जल्द से जल्द मांगों को पूरा करने की अपील की। मजदूरों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। फिलहाल कंपनी प्रबंधन की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

सोनी देवी मेमोरियल हॉस्पिटल की 'अस्पताल आपके द्वार' मुहिम के तहत नीमराना न्यायालय में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । सोनी देवी मेमोरियल हॉस्पिटल, नीमराना की डायरेक्टर डॉ. दीपिका यादव के नेतृत्व में 'अस्पताल आपके द्वार' मुहिम के तहत गुरुवार को ग्राम न्यायालय परिसर, नीमराना में नि:शुल्क हेल्थ चेकअप एवं परामर्श कैंप का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य अधिवक्ताओं एवं कोर्ट कर्मचारियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था। कैंप में अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों के लिए नि:शुल्क बी.पी., शुगर सहित अन्य आवश्यक जांचें की गईं और जरूरत के अनुसार दवाइयों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर डॉ. दीपिका यादव ने बार संघ को आयुष्मान, भामाशाह, ECHS, RGHS, ESIC पैनल के तहत मिलने वाले नि:शुल्क इलाज की जानकारी दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि अस्पताल में वकीलों के इलाज में यथासंभव कन्सेशन दिया जाएगा। इस दौरान अभिभाषक संघ, नीमराना के अध्यक्ष उदय सिंह यादव ने समस्त अधिवक्ताओं के साथ डॉ. दीपिका यादव को पुष्पगुच्छ भेंट कर माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। साथ में आई डॉक्टरों की टीम का भी भव्य स्वागत किया गया। अभिभाषक संघ, नीमराना के सचिव राकेश यादव ने बताया कि हेल्थ चेकअप में बार संघ के अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सचिव राकेश यादव ने डॉ. दीपिका यादव से मांग की कि भविष्य में भी समय-समय पर इसी प्रकार हेल्थ चेकअप कैंप, ब्लड डोनेशन एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इस अवसर पर अभिभाषक संघ, नीमराना के बड़ी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे और अस्पताल प्रबंधन की इस पहल की सराहना की।

मानसरोवर समाज में मंडावर का दबदबा: रामअवतार गुप्ता उपाध्यक्ष बने, भरोसे की जीत ने लिखी नई इबारत

राजधानी में गूंजा मंडावर के लाल का नाम, सामाजिक नेतृत्व को मिली नई ऊंचाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर/मंडावर।

नोज खंडेलवाल । 'मेहनत की मिसाल जब पहचान बन जाए, तो मुकाम खुद रास्ता पूछता है '–राजधानी जयपुर के मानसरोवर क्षेत्र में यही तस्वीर उस वक्त उभरकर सामने आई जब मंडावर के लाल रामअवतार गुप्ता को मानसरोवर अग्रवाल समाज समिति का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के चुनाव में भारी मतों से जीत दर्ज करने के महज एक दिन बाद ही सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष पद पर उनकी नियुक्ति ने यह साबित कर दिया कि यह केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि वर्षों के भरोसे, सेवा और सामाजिक समर्पण की मजबूत नींव है। दिनांक 13 अप्रैल 2026 को सम्पन्न हुए चुनाव में समाज के लोगों ने जिस विश्वास के साथ रामअवतार गुप्ता को कार्यकारिणी सदस्य चुना, उसी विश्वास को अगले ही दिन नई ऊंचाई तब मिली जब कार्यकारिणी और सर्वसमाज की सर्वसम्मति से उन्हें उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंप दी गई। समिति के मार्गदर्शन में संपन्न इस पूरी प्रक्रिया ने पारदर्शिता और संगठनात्मक एकता की मिसाल पेश की तथा जिसके बाद उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति ने पूरे माहौल को उत्सव में बदल दिया। उपाध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण करते हुए रामअवतार गुप्ता ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि समाज ने जो विश्वास जताया है, उसे पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और समर्पण के साथ निभाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उनका यह संकल्प इस बात का संकेत है कि 'सफलता केवल मुकाम नहीं, जिम्मेदारी का नया अध्याय होती है।' शपथ ग्रहण के दौरान समाज के लोगों ने उन्हें माला और साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया, मिठाई बांटी गई और खुशी के इस अवसर पर नाच-गाकर जश्न मनाया गया। गौरतलब है कि रामअवतार गुप्ता पिछले 14 वर्षों से शिव विहार-बी कॉलोनी के अध्यक्ष पद पर लगातार बने हुए हैं, जो उनके नेतृत्व कौशल और जनविश्वास का मजबूत प्रमाण है। इसके साथ ही जयपुर पुलिस के जिला स्तरीय सीएलजी सदस्य के रूप में उनकी सक्रिय भूमिका सामाजिक समन्वय और कानून व्यवस्था में उनकी भागीदारी को और अधिक प्रभावशाली बनाती है। इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार जगत में भी उनकी साख एक मजबूत पहचान के रूप में स्थापित है। राजधानी में मिली इस बड़ी जिम्मेदारी की गूंज केवल मानसरोवर तक सीमित नहीं रही, बल्कि मंडावर की धरती पर भी गर्व का माहौल नजर आया। फोन, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत मुलाकातों के माध्यम से बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है। 'जहां जड़ें मजबूत हों, वहां शाखाएं आसमान छूती हैं '–रामअवतार गुप्ता की यह उपलब्धि इसी सच्चाई को बयां करती है, जिसने मंडावर का नाम एक बार फिर राजधानी के सामाजिक मंच पर मजबूती से स्थापित कर दिया। 'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले, खुदा बंदे से खुद पूछे बता तेरी रजा क्या है '–इस शेर की सजीव मिसाल बनते हुए रामअवतार गुप्ता अब समाज सेवा के नए अध्याय लिखने की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं, जहां उनका हर कदम समाज के विश्वास और विकास की नई कहानी गढ़ने का संकेत दे रहा है।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों का पुलिस लाइन कोटपूतली में सम्म

भीम प्रज्ञा न्यूज. नीमकाथाना।

रमेशचंद । राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को पुलिस लाइन कोटपूतली में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजस्थान पुलिस सेवा निवृत्त संस्थान के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने कार्यक्रम में शिरकत की। संस्थान के जिला संरक्षक जगमाल सिंह और जिला अध्यक्ष पृथ्वी सिंह यादव के नेतृत्व में कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र सिंह यादव, रमेश चंद शर्मा, पूरणमल जोशी, देवदास शर्मा, ताराचंद सहित बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी आयोजन में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली- बहरोड़ का संस्थान की ओर से सम्मान किया गया। जिला संरक्षक जगमाल सिंह यादव (सबइंस्पेक्टर) एवं जिला अध्यक्ष पृथ्वी सिंह यादव ने जिला पुलिस अधीक्षक को गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों ने पुलिस विभाग में अपने अनुभव साझा किए और वर्तमान पुलिस बल को राजस्थान पुलिस के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस ने सदैव कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जनता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाई है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सेवानिवृत्त सदस्यों ने पुलिस स्थापना दिवस की बधाई दी और विभाग के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नगरपालिका कनीना के वार्ड-14 में उप चुनाव का शेड्यूल जारी

एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

10 मई को होगा मतदान और 13 को आएंगे नतीजे

भीम प्रज्ञा न्यूज.कनीना।

रमेशचंद्र । नगरपालिका कनीना के वार्ड नंबर-14 के रिक्त सदस्य पद को भरने के लिए चुनावी तैयारी शुरू हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों पर प्रशासन ने उपचुनाव के कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस चुनाव को लेकर आज एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। पत्रकारों से रूबरू होते हुए डॉ. सिंह ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है और अधिसूचना जारी कर दी गई है। एसडीएम ने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार 21 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन की प्रक्रिया एसडीएम कोर्ट रूम, कनीना में प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक चलेगी। नामांकन पत्रों की बारीकी से जांच 27 अप्रैल को सुबह 11:30 बजे से की जाएगी। इसके बाद, जो उम्मीदवार अपना नाम वापस लेना चाहते हैं, वे 28 अप्रैल को दोपहर 3:00 बजे तक ऐसा कर सकेंगे। नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होते ही उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे और चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की अंतिम सूची सार्वजनिक कर दी जाएगी। एसडीएम ने चुनाव की तारीखों को स्पष्ट करते हुए कहा कि मतदान 10 मई 2026, रविवार को सुबह 8:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक होगा। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद 13 मई 2026 को सुबह 8:00 बजे से मतगणना शुरू होगी, जिसके लिए स्थान का निर्धारण उपायुक्त महेंद्रगढ़ द्वारा किया जाएगा।

मतगणना के तुरंत बाद उसी दिन परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। डॉ. सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी विशेष परिस्थिति या तकनीकी कारण से पुनर्मतदान की आवश्यकता पड़ती है, तो इसके लिए 12 मई 2026 की तिथि को सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने क्षेत्र के मतदाताओं से शांतिपूर्ण तरीके से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीसी के जरिए किया वार्ड समितियों से सीधा संवाद

सीएम ने विकास कार्यों को लेकर लिया फीडबैक

अधिकारियों की मौजूदगी में सदस्यों ने साझा किए सुझाव

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज प्रदेश भर की नगरपालिकाओं में गठित वार्ड समितियों के सदस्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा संवाद किया गया। स्थानीय स्तर पर यह कार्यक्रम नारनौल के पंचायत भवन में आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय विकास कार्यों और नागरिक भागीदारी को लेकर सदस्यों से विस्तार से चर्चा की और उनसे फीडबैक लिया। सीएम ने स्वच्छता पर विशेष फोकस किया और सभी से आह्वान किया कि जन भागीदारी के साथ अपने शहरों को साफ रखें मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि वार्ड समितियां जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की सबसे मजबूत इकाई हैं और इनकी सक्रियता से ही शहरों का कायाकल्प होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वार्ड स्तर पर उठाई गई समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। इस अवसर पर कार्यकारी अधिकारी जोगेंद्र सिंह कालीरमन तथा मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी सौरभ सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहें।

आदिवासी कोड को शीघ्र लागू करने की मांग को लेकर संभागीय आयुक्त को सोपा ज्ञापन

प्रदेशभर से सैकड़ो लोग पहुंचे जयपुर

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

सुमेर मीणा । आदिवासी समाज के जल, जंगल, जमीन और सांस्कृतिक अस्तित्व की रक्षा के लिए गुरुवार को एक मजबूत और संगठित पहल की गई। आदिवासी कोड को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर गुरुवार को जयपुर संभाग के समस्त जिलाध्यक्षों ने आदिवासी कांग्रेस पदाधिकारीयों के नेतृत्व में संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। यह सिर्फ एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित आदिवासी हकों, पहचान और संवैधानिक अधिकारों को सुनिश्चित करने की निर्णायक लड़ाई है। अब समय आ गया है कि सरकार आदिवासी समाज की आवाज़ को गंभीरता से सुने और ठोस कदम उठाए। हमारी मांग स्पष्ट है–अधिकारों के साथ कोई समझौता नहीं होगा। जल, जंगल, जमीन और हमारी पहचान की रक्षा के लिए यह संघर्ष लगातार जारी रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव जगदीश मीना ,संगठन महासचिव हरगुण मीणा, रतन लाल मीणा जिलाध्यक्ष झुंझुनू, रामनिवास मीना जिलाध्यक्ष (नीमकाथाना)सीकर, रमन सत्तावन जिलाध्यक्ष दौसा, जगदीश प्रसाद मीना जिलाध्यक्ष कोटपुतली - बहरोड़, रेखा करोल जिलाध्यक्ष जयपुर शहर एवं समस्त युवा शक्ति एवं कांग्रेस कार्यकर्ता साथ रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित, मेघावी प्रतिभाओं का किया सम्मान, बांटे पुरस्कार

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे की वार्ड नं.17 स्थित बाल भारती विद्या निकेतन मा. विद्यालय में आज शाला में प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित, मेघावी प्रतिभाओं का किया सम्मान किया गया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की होनहार मेधावी प्रतिभाओं का सम्मन करते हुए पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य जीवनराम मीणा राजकीय उच्च मा. विद्यालय पातुसर ने की। मुख्य अतिथि भाजपा नेता संदीप शर्मा थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि संदीप शर्मा ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रतिभाएं किसी की मोहताज नहीं होती है, वे अपने दम पर मुकाम हासिल करती है। विद्यालय के संसाधन भले ही कम हो लेकिन उनको तराशने वाले सही है तो बच्चे सही दिशा में आगे बढ़ेंगे। शाला निदेशक राजेन्द्र सनोदिया ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रतिभाओं को मोमेंटो, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर एवं माला पहनाकर व बच्चों व उनके अभिभावकों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर मांगेराम दहिया, हरिराम दादरवाल, सज्जनलाल सैनी, नारायण प्रसाद मारवाल, राकेश सनोदिया, राजेन्द्र आर्य, निलेश सनोदिया, पल्लवी मिश्रा, उमा पाराशर, नेहा सनोदिया, उषा सैनी, जमुना देवी प्रजापत, कमलेश मारवाल, रामकुमार चावला, पवन कुमार घासोलिया, राकेश मीणा, अशोक साल्वी, पायल छापोला, महेंद्र कुमावत, निशा सैनी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। अंत में शाला अध्यापक प्रमोद कुमार ने धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति लक्ष्मनगढ के राधेश्याम व महावीर बने प्रोजेक्ट एडवाइजर

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति लक्ष्मनगढ के अध्यक्ष अनिल कुमार बागड़ी ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए प्रोजेक्ट एडवाइजर के पद पर नियुक्त किया गया है । यह जानकारी देते हुए समिति के महामंत्री महेंद्र कुमार माली व प्रवक्ता मनोज राकसिया ने बताया कि छात्रावास के निर्माण व विकास में सतत् सहयोग देने वाले सनवाली निवासी समाजसेवी राधेश्याम टांक व लक्ष्मनगढ निवासी समाजसेवी महावीर प्रसाद जाजम को प्रोजेक्ट एडवाइजर के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि नियुक्त किए गए टांक व जाजम ने महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के निर्माण व विकास में हमेशा अपना सक्रिय योगदान व आर्थिक सहयोग प्रदान करते रहने व भविष्य में भी अपना सहयोग व योगदान देते रहने का संकल्प लेते हुए छात्रावास के विधार्थियों के कैरियर बनाने में पूर्ण सहयोग देने की बात कही है। समिति के पदाधिकारी सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए अध्यक्ष का आभार जताया है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अटेली क्षेत्र के गांवों के लिए मंजूर किए 12.50 करोड़

गली, रास्ते और व्यायामशालाओं के निर्माण से बदलेगी ग्रामीण अंचल की सूरत : आरती सिंह राव

भीम प्रज्ञा न्यूज.अटेली।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अटेली विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए 12 करोड़ 49 लाख 68 हजार रुपये की विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र के दर्जनों गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इन विकास कार्यों से अटेली हलके के लोगों का जीवन स्तर और बेहतर होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया किया कि इस बजट के तहत ब्लॉक कनीना, सीहमा और अटेली के गांवों में सड़क, जल निकासी और सामुदायिक भवनों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि विकास की इस योजना में हर गांव की जरूरत का ध्यान रखा गया है। इसके तहत रात्ता खुर्द में 7.34 लाख रुपये की लागत से पाइपलाइन डालने, महासर में 8.59 लाख से पार्क व फुटपाथ निर्माण और कारिया में 6.61 लाख से जल निकासी कार्य को स्वीकृति मिली है। इसी प्रकार, गढ़ी रूथल में 20.51 लाख रुपये से फिरनी निर्माण, सुजापुर व फतेहपुर में 5.08-5.08 लाख की लागत से स्वागत गेट, चंदपुरा में 11.5 लाख रुपए की लागत से इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क, सलीमपुर (तुर्कीयावास) में लाइब्रेरी के फर्नीचर के लिए 4.90 लाख, खोड़ में नाले के निर्माण के लिए 19.19 लाख, बजाड़ में वेस्ट वॉटर पाइपलाइन के लिए 12.57 लाख, और सैदपुर में 20.95 लाख रुपये से इंटरलॉकिंग टाइल्स की गली बनाई जाएगी। इसी प्रकार गांव पृथ्वीपुरा में इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क के लिए 3.80 लाख, सराय बहादुर नगर में ग्रामीणों की सुविधा के लिए 27.46 लाख रुपये की लागत से एक बड़ा हॉल बनाया जाएगा। दौंगड़ा अहीर में इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क के लिए 8.90 लाख, सिलारपुर में इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क के लिए 8.89 लाख, सागरपुर में सड़क के दीवार के निर्माण के लिए 8.19 लाख, कोटिया में जिम के ओपनिंग के लिए 3.9 लाख, स्याना में इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क के लिए 9.6 लाख, सिहोर में पंचायती फॉर्म के रास्ते के लिए 5.42 लाख व दीवार के निर्माण के लिए 6.50 लाख, बाघोत में मेले के ग्राउंड में इंटरलॉकिंग टाइल्स के लिए 10 लाख, खरखड़ाबास में रास्ते के लिए 9.46 लाख, सेहलंग में नाले के निर्माण के लिए 17.98 लाख, मानपुरा में जिम की ओपनिंग के लिए 3.9 लाख, झाड़ली में नाले के निर्माण के लिए 13.41 लाख, गाहड़ा में स्टेज में तीन साइड के लिए 7.95 लाख, ककराला स्कूल में ट्रैक निर्माण व लाइब्रेरी के लिए 17.26 लाख, दौंगली में पार्क के निर्माण के लिए 9.98 लाख, गोमला माता मंदिर में दीवार के निर्माण के लिए 9.56 लाख, कोका में टाईलों की सड़क का निर्माण व रिपेयर के लिए 13.54 लाख, इसराना में इंटरलॉकिंग टाइल सड़क के लिए 16.24 लाख, ढाणा में 45.23 लाख रुपए की लागत से 2 एकड़ में पार्क व व्यायाम शाला बनाई जाएगी। इसी प्रकार भड़फ में जिम हाल के निर्माण के लिए 17.5 लाख, बेवल में इंटरलॉकिंग टाइल सड़क के लिए 14.89 लाख, तिगरा में इंटरलॉकिंग टाइल सड़क के लिए 11.6 लाख, बेगपुर में इंटरलॉकिंग टाइल सड़क के लिए 2.3 लाख, राजपुरा में इंटरलॉकिंग टाइल सड़क के लिए 26.99 लाख, बिहाली में इंटरलॉकिंग टाइल सड़क के लिए 15.3 लाख, बेगपुर में 1.99 लाख रुपए की लागत से शमशान घाट के रास्ते का निर्माण किया जाएगा। रामबास में इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क के लिए 25.76 लाख, ताजपुर में 63.47 लाख, भड़फ में 9.71 लाख, इसराना में 15.72 लाख, कोटिया में 27.51 लाख, स्याना में 22.51 लाख, करीरा में 89.12 लाख, भड़फ में 24.8 लाख, ढाणा में 25.53 लाख, खेराना में 61.83 लाख, खैराना में 39.99 लाख, सुंदरह में 39.99 लाख, भिलवाड़ा में 8.89 लाख, तिगरा में 2.6 लाख, दौंगड़ा अहीर में 67.41 लाख, कारिया में 56.84 लाख, बौचड़िया में 53.44 लाख, बाछौद में 45.13, लाख, कांटी में 55.71 लाख, सराय बहादुर 18.63 व कुंजपुरा में 30.43 लाख रुपए की लागत से इंटरलॉकिंग टाइल्स सड़क का निर्माण किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएंगे ताकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के विकसित हरियाणा के संकल्प को धरातल पर उतारा जा सके।

अजीतगढ़: गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा मिले, देशभर में गौ हत्याएं बंद की मांग की लेकर हस्ताक्षर अभियान शुर

गौ माता की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान के लिए 27 अप्रैल को देशभर में मनाएंगे गौ सम्मान दिवस, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री आदि ने नाम उपखंड पर सौंपेंगे ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज. अजीतगढ़ ।

सुमेर मीणा । गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा मिले, देशभर में गौ हत्याएं बंद की मांग की लेकर हस्ताक्षर अभियान शनिवार को गुसाई बगीची संत अनंत दास महाराज के नेतृत्व में गौसेवकों ने अजीतगढ़ शहर से शुरू किया। 27 अप्रैल को देशभर में गौ सम्मान दिवस मनाया जाएगा और राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन उपखंड, ब्लॉक मुख्यालयों पर दिए जाएंगे। जानकारी मुताबिक शनिवार को अभियान के समर्थन में अजीतगढ़ पीजी कॉलेज में युवाओं से अपील की गई तथा हस्ताक्षर करवाए गए। अभियान के संबंध में जानकारी देते हुए श्री कृष्ण गोशाला अजीतगढ प्रबंधन कार्यकारिणी अध्यक्ष चैतन्य मीणा ने कहा कि गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने को लेकर अभियान संचालित है देशभर में प्रधान संरक्षक गौमाता व अध्यक्ष नन्दी बाबा को मानते हुए 27 अप्रैल को देशभर में गौ सम्मान दिवस मनाएंगे। इसी दौरान गाय की सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान के लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम मुख्यालय पर ज्ञापन दिए जाएंगे। अजीतगढ़ शहर में 27 अप्रैल को सुबह 10 बजे एकत्रित होकर उप तहसील तक गौ सम्मान यात्रा निकाली जाएगी और उप तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा जाएगा। अभियान से जुड़े मीणा ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य केंद्र, राज्य सरकारों से राष्ट्र एवं भारतीय संस्कृति के हित में संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से गाय की सेवा - जिसमें गौमाता को उचित अनुसंधान और अनुदान मिले, सुरक्षा - भारत में गौ हत्या पूरी तरह समाप्त हो, सम्मान - गौमाता को राष्ट्र माता का मौलिक अधिकार प्रदान करवाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना है। इस दौरान कॉलेज निदेशक विजय यादव, कॉलेज प्राचार्य डॉ. श्रवण नोगिया, बीएड प्राचार्य डॉ. राकेश नन्दुडी, उप प्राचार्य मुकेश महरिया, शिंभू दयाल भारद्वाज, इंद्र मेहता, महेंद्र, डब्बू सिंह आदि मौजूद थे। वहीं शहर के नेशनल लाइब्रेरी में युवाओं ने अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर किए।

समृद्ध, सशक्त व विकसित राजस्थान की ओर बढ़ रहा प्रदेश: गुप्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । स्वच्छ भारत मिशन (शहर) के तहत प्रदेश स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर के.के. गुप्ता ने बीकानेर जिला परिषद सभागार में बैठक लेकर नगर निगम सहित सभी शहरी निकायों के अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। गुप्ता ने कहा कि भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है और स्वच्छता इस विकास की आधारशिला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वच्छता कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। स्वच्छ भारत मिशन को विकसित राजस्थान की नींव बताते हुए उन्होंने कहा कि इसे जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत विजन को राज्य सरकार ने संकल्प के रूप में अपनाया है। उन्होंने बताया कि सभी निकायों को स्वच्छता कार्यों के आधार पर चार श्रेणियों (ए, बी, सी, डी) में विभाजित किया गया है, जिनमें कमजोर प्रदर्शन करने वाले निकायों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में पांच प्रमुख बिंदुओं पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए गए, जिनमें सुबह 10 बजे से पहले घर-घर कचरा संग्रहण और गीले-सूखे कचरे का पृथक्करण, रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालयों की दिन में तीन बार सफाई, प्लास्टिक थैलियों पर सख्ती से रोक तथा खाली प्लॉट्स की सफाई और बाउंड्री सुनिश्चित करना शामिल है। इसके अलावा शहर में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था, पार्कों की सफाई, अवैध कब्जों व बिना लाइसेंस दुकानों पर कार्रवाई, निर्माण सामग्री से सड़कों-नालियों को मुक्त रखना, सरकारी संपत्तियों पर पोस्टरबाजी रोकना और कचरा यार्ड में आग की घटनाओं पर नियंत्रण जैसे विषयों पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश में पारदर्शी शासन, जवाबदेही और सुशासन को मजबूत किया जा रहा है तथा स्वच्छ और स्वस्थ राजस्थान के संकल्प को धरातल पर उतारा जा रहा है।

केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर में कक्षा 10 का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

घातचिंतन कुमार

छात्रा वंशिका

छात्र नितिन

छात्रा हर्षिता

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी नगर।

केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर ने एक बार पुनः अपनी उत्कृष्ट शैक्षिक परंपरा को कायम रखते हुए कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में शानदार परिणाम प्राप्त किया है। प्रधानाध्यापक मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन से उल्लेखनीय सफलता हासिल की। विद्यालय के प्राचार्य श्री के. एल. मीना के कुशल नेतृत्व में इस वर्ष भी विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 10 में चिंतन जांगिड़ ने 94.6' अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं वंशिका ने 91.8' अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा नितिन कुमार ने 90.6' अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त हर्षिता यादव ने 90.2' अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। छात्र नितिन कुमार ने सामाजिक विज्ञान विषय में 100 से 100 अंक प्राप्त करके अपनी प्रतिभा का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस शानदार परिणाम पर प्राचार्य श्री के. एल. मीना ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों की समर्पित शिक्षण शैली का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार में इस उपलब्धि को लेकर हर्ष का माहौल है। सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों ने सफल विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी हैं।

प्रवेशोत्सव अभियान में निःशुल्क साईकल वितरण कर सरकारी स्कूल में प्रवेश के लिए किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज

लक्ष्मणगढ़ । मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विधाधर शर्मा एवं रिसोर्स पर्सन सुरेश कुमार भास्कर ने पीईईओ धाननी में प्रवेशोत्सव अभियान के दौरान बालिकाओं को निःशुल्क साईकल वितरण कर नवप्रवेशी बच्चों का माल्यार्पण द्वारा

स्वागत कर सरकारी विद्यालय में प्रवेश लेने व नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया।साक्षरता अभियान के तहत पंचरत्न प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान रहने वाले प्रतियोगियों के साथ साथ साक्षरता प्रभारी एवं प्रधानाचार्य राजेश राव को सीबीईओ विद्याधर शर्मा व संदर्भ व्यक्ति सुरेश कुमार भास्कर ने माल्यार्पण कर पंचरत्न पुस्तिका व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित कर साक्षरता अभियान में सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

RPS जखराना में सीबीएसई टॉपर्स का सम्मान, 10वीं का परिणाम रहा शत-प्रतिशत

भीम प्रज्ञा न्यूज.जखराना।

आर.पी.एस. सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जखराना में सीबीएसई द्वारा घोषित कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम में विद्यालय का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे संस्थान में खुशी का माहौल है। संस्था के प्राचार्य योगेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में शानदार अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इनमें पलक (पुत्री श्री अजय कुमार, जखराना) ने संगीत में 98 प्रतिशत एवं हिंदी में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। अक्षिता यादव (पुत्री श्री करण सिंह यादव, महाराजावास) ने संगीत में 95 प्रतिशत एवं हिंदी में 90 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसी प्रकार दिव्या (पुत्री श्री रामविलास, जखराना) ने संगीत में 91 प्रतिशत एवं अंग्रेजी में 88 प्रतिशत, दीक्षा पुत्री अवनीत यादव, बालपुरा ने संगीत में 93 प्रतिशत एवं हिंदी में 92 प्रतिशत तथा निधि (पुत्री श्री परमानंद, भगवाड़ी कला) ने संगीत में 90 प्रतिशत एवं हिंदी में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने सभी टॉपर्स विद्यार्थियों का सम्मान करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा लोकेश अभिभावकों और स्टाफ को इस सफलता के लिए बधाई दी।

इस अवसर पर वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, मैनेजिंग डायरेक्टर एडवोकेट पीयूष यादव, विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर की डायरेक्टर डॉ. रविन्द्रा यादव, आर.पी.एस. जखराना के डायरेक्टर डॉ. सुभाष सिंह, पी.जी. कॉलेज प्राचार्य डॉ. लोकेश कुमार, किड्स ब्लॉक इंचार्ज राधा चूग एवं आईटीआई प्राचार्य श्री सतीश यादव सहित समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए अतिथियों ने कहा कि निरंतर मेहनत और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त होती है। विद्यालय की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में भी खुशी की लहर देखी गई।

प्रवेशोत्सव में दी छात्राओं को मुफ्त साइकिल

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । प्रवेशोत्सव अभियान के अंतर्गत मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विद्याधर शर्मा एवं रिसोर्स पर्सन सुरेश कुमार भास्कर द्वारा पीईईओ धाननी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल वितरण किया गया। इस अवसर पर नवप्रवेशी विद्यार्थियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया तथा उन्हें सरकारी विद्यालयों में प्रवेश लेने एवं नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान साक्षरता अभियान अंतर्गत आयोजित पंचरत्न प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। साथ ही साक्षरता प्रभारी एवं प्रधानाचार्य राजेश राव को भी माल्यार्पण कर पंचरत्न पुस्तिका एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने साक्षरता अभियान में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक का भीलड़ी-समदड़ी-लूणी-जोधपुर रेलखंड का दौरा

संरक्षित रेलखंड के विभिन्न परियोजनाओं में विकसित कार्यों का लिया जायजा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जोधपुर । उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ ने गुरुवार को जोधपुर मंडल के भीलड़ी-समदड़ी-लूणी-जोधपुर रेलखंड का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 11 घंटे विभिन्न स्टेशनों एवं सेक्शनों पर चल रहे विकास कार्यों, यात्री सुविधाओं एवं संरक्षा व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके साथ जीएम ने भीलड़ी से जोधपुर तक विंडोट्रेलिंग निरीक्षण कर संरक्षा/सुरक्षा मापदंडों का निरीक्षण किया। इस क्रम में महाप्रबंधक ने ओढ़वा स्टेशन का दौरा कर स्टेशन अधीक्षक कार्यालय सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस अवसर पर रेल सुविधाओं से संबंधित ज्ञापन भी सौंपा। धनेरा स्टेशन पर महाप्रबंधक ने नवनिर्मित अधिकारी विश्राम गृह का उद्घाटन किया तथा स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, प्रतीक्षालय एवं निर्माणाधीन स्टेशन भवन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों द्वारा उनका पारंपरिक स्वागत किया गया तथा रेल सेवाओं से संबंधित मांगों को लेकर ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। महाप्रबंधक ने अधिकारियों के साथ परिसर में पौधारोपण भी किया। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित मारवाड़ भीनमाल स्टेशन का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक ने कार्यों की प्रगति का बारीकी से अवलोकन किया। स्टेशन परिसर में संरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'संरक्षा संवाद' आयोजित किया गया, जिसमें रेलकर्मियों से संवाद कर उन्हें सुरक्षित एवं बेहतर रेल संचालन के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान रेलकर्मियों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक आश्वासन भी दिया गया। साथ ही, नवनिर्मित अधिकारी विश्राम गृह का उद्घाटन भी किया गया। इसके पश्चात महाप्रबंधक ने भीनमाल-लेदरमेर सेक्शन में निर्माणाधीन ब्रिज संख्या 72 का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मोदरान स्टेशन पर नव निर्मित स्टेशन भवन का अवलोकन करते हुए महाप्रबंधक ने विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्थानीय संगठनों एवं ग्रामीणों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया तथा रेल मांगो से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। जालोर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक ने सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन अधीक्षक कक्ष, प्रतीक्षालय एवं फुट ओवर ब्रिज (FOB) का गहन निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बालवाड़ा-मोकलसर सेक्शन में स्थित गेट संख्या सी-24 का निरीक्षण करते हुए महाप्रबंधक ने गेटमैन सुखराम की कार्यप्रणाली की सराहना की एवं उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए 5 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। इसके साथ ही गैंग नंबर 5 के कार्यों का निरीक्षण कर कर्मचारियों से संवाद किया तथा उन्हें 20 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। इसके बाद समदड़ी स्टेशन पर भी महाप्रबंधक ने निरीक्षण कर स्टेशन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक अतुल सक्सेना, प्रमुख मुख्य दूरसंचार इंजीनियर अनुराग गोयल, प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. के. कृष्ण कुमार, प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी संतराम मीणा, प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक सीमा शर्मा, मुख्य कार्मिक अधिकारी विनोद कुमार, प्रमुख मुख्य इंजीनियर जोगेंद्र सिंह, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक मदन देवड़ा, मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भगवान परशुराम प्राकट्य महोत्सव 2026 की तैयारियां तेज, दाधीच छात्रावास बैठक सम्पन्न

18 अप्रैल को निकलेगी भव्य शोभायात्रा, समाज के वरिष्ठजन व जनप्रतिनिधियों ने रखे सुझाव

भीम प्रज्ञा न्यूज

कोटा। भगवान परशुराम प्राकट्य महोत्सव 2026 के सफल आयोजन को लेकर कोटा में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में श्री महर्षि दधीचि छात्रावास समिति, कोटा संभाग एवं सर्व ब्राह्मण समाज, कोटा के संयुक्त तत्वावधान में दाधीच छात्रावास परिसर में एक वृहद बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में शहर के 32 ब्राह्मण संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। सभा में गोदावरी धाम के महंत बाबा शैलेंद्र भार्गव, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, छात्रावास समिति के अध्यक्ष रविंद्र जोशी, महामंत्री निमेष पुरोहित, एडवोकेट परमेश्वर दयाल दाधीच, उपाध्यक्ष राम कल्याण दाधीच, एडवोकेट चंद्र प्रकाश दाधीच, गोपाल शर्मा, दाधीच महिला मंडल अध्यक्ष स्मिता शर्मा एवं रामस्वरूप शर्मा सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने 18 अप्रैल 2026 को भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा को ऐतिहासिक स्वरूप देने पर जोर दिया। बैठक में नगर विकास न्यास के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र त्यागी एवं कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष गोविंद शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिकों, युवाओं एवं मातृशक्ति की उपस्थिति रही। वक्ताओं ने आयोजन को समाज की एकता, संस्कृति और परंपरा के सशक्त प्रदर्शन का माध्यम बताया। इस अवसर पर रमेश चंद्र दाधीच 'नीमोला वाले' द्वारा रचित भगवान परशुराम के जीवन चरित्र एवं दर्शन पर आधारित एक शोध-पत्र का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में दाधीच युवा मंडल अध्यक्ष कमल दाधीच सहित बड़ी संख्या में युवाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

जंगल में छुपा था कानून का गुनहगार, महवा पुलिस के शिकंजे में आया 'फायरिंग कांड' का मास्टरमाइंड

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । 'कानून के हाथ लंबे होते हैं '–यह कहावत एक बार फिर उस समय सजीव हो उठी जब गांव खावदा में मारपीट और फायरिंग की सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाला मुख्य आरोपी आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ गया। लंबे समय से फरारी काट रहा मानसिंह उर्फ मान गुर्जर अब सलाखों के पीछे है, जिसने अपने साथियों के साथ मिलकर गांव में दहशत फैलाने की कोशिश की थी। महवा थाना पुलिस ने सीओ मनोहरलाल मीना के सुपरविजन और थानाधिकारी राजेंद्र कुमार मीना के नेतृत्व में सटीक रणनीति अपनाते हुए आरोपी को खावदा के जंगलों से दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध देशी कट्टा, एक जिंदा कारतूस और एक खाली खोल बरामद किया है, साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई बुलेट मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है। यह कार्रवाई न केवल पुलिस की तत्परता को दर्शाती है, बल्कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था के प्रति सख्त संदेश भी देती है।

घटनाक्रम के अनुसार 14 मार्च 2026 की शाम करीब साढ़े छह बजे गांव खावदा निवासी परिवादी राजवीर गुर्जर और उसके परिजनों पर जानलेवा हमला किया गया, जिसमें आरोपियों ने पहले मारपीट की और फिर फायरिंग कर दहशत फैलाने का प्रयास किया। इस मामले में थाना महवा पर प्रकरण संख्या 125/26 के तहत बीएनएस 2023 की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद से ही मुख्य आरोपी मानसिंह फरार चल रहा था, जो आखिरकार 13 अप्रैल 2026 को पुलिस के हत्थे चढ़ गया।गिरफ्तार आरोपी मानसिंह उर्फ मान गुर्जर, निवासी फौदी का पुरा खावदा, का आपराधिक इतिहास भी कम चौंकाने वाला नहीं है। उस पर पूर्व में भी मारपीट, लूट, एससी-एसटी एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं, जो यह दर्शाते हैं कि वह अपराध की दुनिया में पहले से सक्रिय रहा है। पुलिस अब उसके अन्य साथियों की तलाश में जुटी हुई है, जो घटना के बाद से ही भूमिगत हो गए हैं। इस कार्रवाई में एएसआई देशराज, पुलिसकर्मी सनी और लाखन सहित टीम के अन्य सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही, जिन्होंने लगातार दबिश देकर आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस का कहना है कि शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

राजस्थान बार काउंसिल चुनाव 2026, एडवोकेट राजेश शर्मा कर्नल ने चिड़ावा कोर्ट में किया संपर्क , वकिलो से मांगा समर्थन

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राजस्थान बार काउंसिल चुनाव 2026 की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में सदस्य पद के उम्मीदवार एडवोकेट राजेश शर्मा (कर्नल) गुरुवार को जयपुर से चिड़ावा पहुंचे। उन्होंने चिड़ावा कोर्ट परिसर का दौरा कर अधिवक्ता साथियों से मुलाकात की और अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर उनके साथ चिड़ावा नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष सुभाष शर्मा, विप्र फाउंडेशन के प्रदेश मंत्री विकास शर्मा डुमोली और तहसील अध्यक्ष पृथ्वीराज शर्मा भी मौजूद रहे। कर्नल राजेश शर्मा का कोर्ट परिसर पहुंचने पर वकीलों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। जनसंपर्क के दौरान राजेश शर्मा ने अधिवक्ताओं की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य बार काउंसिल में वकीलों के हितों की रक्षा करना और न्यायिक प्रक्रिया को और अधिक सुगम बनाना है। पूर्व चेयरमैन सुभाष शर्मा ने अधिवक्ताओं से एकजुट होकर राजेश शर्मा को विजयी बनाने का आह्वान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय अधिवक्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने चुनाव में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

भव्य रूप में मनेगा परशुराम जयंती महोत्सवः शहर में निकलेगी विशाल शोभायात्रा, मेधावी छात्र होंगे सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

परशुराम जयंती के पावन अवसर पर ब्रह्म चैतन्य संस्थान द्वारा आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने हेतु बुधवार को परशुराम भवन में समाज के विप्र बंधुओं और कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। संस्थान के अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र एवं कार्यक्रम संयोजक पुष्कर लाल मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 26 अप्रैल 2026 को भगवान परशुराम जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य शोभायात्रा होगी। शोभायात्रा महाकाल मंदिर (अड्डकिया स्कूल के पास) से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग कबूतर खाना, पुरानी तहसील रोड, गांधी चौक, मुख्य बाजार, कल्याण जी मंदिर से गौशाला रोड होते हुए डीजे के साथ घूम घाम से परशुराम भवन पहुंचकर शोभायात्रा का समापन होगा। उसके बाद समाज के युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संस्थान ने एक सराहनीय पहल की है। परशुराम जयंती के अवसर पर 10वीं, 12वीं और कॉलेज स्तर पर 80' से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विप्र समाज के छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र ने बताया कि इस कदम से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा और बेहतर प्रदर्शन करने का जज्बा पैदा होगा। कार्यक्रम से सम्बंधित समितियां बनाकर जिम्मेदारीया समाज के लोगों को सौंपी गई।

बैठक में महोत्सव को भव्य बनाने के लिए समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने सुझाव रखे। इसमें मुख्य रूप से शामिल रहे पुष्कर लाल मिश्रा परशुराम जयंती संयोजक, कैलाश लाटा (पूर्व चेयरमैन, नगरपालिका चिड़ावा), सुभाष शर्मा (पूर्व अध्यक्ष, नगर पालिका चिड़ावा), पृथ्वीराज शर्मा (अध्यक्ष, विप्र फाउंडेशन तहसील चिड़ावा) साथ ही मोतीलाल लाटा, राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया, पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा, प्रमोद शर्मा ओजटू वाला, अनिल जोशी,पवन शर्मा नवहाल, उमाशंकर शर्मा, अशोक शर्मा सहित काफी गणमान्य लोगों ने अपने विचार रखे। संस्थान के अध्यक्ष ने सभी विप्र बंधुओं से अपील की है कि वे व्यक्तिगत स्तर पर प्रयासों को तेज करें ताकि आयोजन को अभूतपूर्व बनाया जा सके। शोभायात्रा और सम्मान समारोह के पश्चात भगवान परशुराम के उपलक्ष्य में विशाल प्रसाद वितरण का आयोजन भी किया जाएगा। इस अवसर पर सैकड़ों विप्र बन्धु उपस्थित रहें।

टोहाना शहर में प्राइवेट स्कूलों द्वारा निजी पब्लिशर्स के साथ मिलकर बड़े स्तर पर हो रहा है महंगी किताबों की बिक्री का खेल- अधिवक्ता राजेश सभरवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । बार एसोसिएशन टोहाना के सदस्यों द्वारा टोहाना क्षेत्र में निजी स्कूलों द्वारा हर साल मनमानी फीस बढ़ोतरी और महंगी किताबों और अन्य मुद्दों को लेकर टोहाना विधायक सरदार परमवीर सिंह जी की मौजूदगी में शिक्षा मंत्री के नाम एसडीम टोहाना को एक ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें लिखा गया कि टोहाना क्षेत्र के निजी विद्यालय शिक्षा के नाम पर अत्यधिक फीस वसूल रहे हैं तथा छात्रों पर निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें व एक ही निर्धारित दुकान से खरीदने का दबाव बना रहे हैं और यह कृत्य शिक्षा का अधिकार की भावना के विरुद्ध है, जिसके अंतर्गत 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया गया है। साथ ही, यह शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 आर टी आई एक्ट के प्रावधानों का भी उल्लंघन है, जिसमें शिक्षा को सुलभ एवं किफायती बनाने का उद्देश्य है ।इस पर एसडीएम टोहाना ने पूर्ण विश्वास से सभी को आश्वस्त किया है कि जल्द से जल्द ही इनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी और जो भी इसमें दोषी होगा उन्हें बक्शा नहीं जाएगा। इस मौके पर टोहाना बार के वाइस प्रेसिडेंट अनुराग जैन, कैशियर राजेश सभरवाल, पूर्व प्रधान सत्यवान डुलट, वरिष्ठ अधिवक्ता चांदी राम पातड, सुभाष बजाज, राहुल सभरवाल, दीपक मेहता, जयपाल मालिक, तरसेम कैरों, राकेश नयालु, साहिल गुरदित्ता, महिला अधिवक्ता संतोष कुमारी व अन्य अधिवक्तागण और अभिभावकगण मौके पर मौजूद थे।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर का 10वीं बोर्ड परिणाम शत-प्रतिशत, छात्रों ने लहराया परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज.निजामपुर।

विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर का कक्षा 10वीं का सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न केवल स्कूल बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है।विद्यालय के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि छात्रा दीपिका पुत्री मनोज (निजामपुर) ने हिंदी में 99 प्रतिशत, अंग्रेजी में 97 प्रतिशत तथा विज्ञान में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया। इसी क्रम में पायल पुत्री संदीप (ढाणी पटवारी बायल) ने गणित में 96 प्रतिशत अंक हासिल किए, वहीं सच्ची कुमार पुत्री कुलदीप सिंह (डाबला) ने सामाजिक विज्ञान में 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर विद्यालय की वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव ने सभी विद्यार्थियों और अध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उत्कृष्ट परिणाम सभी के कठिन परिश्रम का फल है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक मेहनत कर मेरिट सूची में स्थान बनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, प्राचार्य अजीत सिंह, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी सहित समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर खुशी जताई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विश्व भारती स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, शानदार रहा बोर्ड परीक्षा परिणाम

भीम प्रज्ञा न्यूज.सिंघाना।

विश्व भारती स्कूल के विद्यार्थियों ने सीबीएसई बोर्ड कक्षा 10वीं परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों की उपलब्धियों को सराहा गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्था निदेशक कृष्ण कुमार यादव के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि यह सफलता उनके परिश्रम, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में भी इसी तरह मेहनत कर ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की छात्रा पलक ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा अभिनव शर्मा ने 95.20 प्रतिशत, वैष्णवी ने 93.00 प्रतिशत, जतिन कुमार ने 92.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं पारस और अशोक ने 91.60 प्रतिशत तथा दीपांशु ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में योगदान दिया।साथ ही कक्षा 12वीं आरबीएसई परीक्षा में भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। छात्र रितिक ने 93 प्रतिशत और कृतिका ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे, जिनमें उपदेश कुमार, बहादुर सिंह, हरपाल, राकेश, दलीप और अनिल यादव शामिल रहे। सभी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया और आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया।

आईपीएल में मुकुल चौधरी का जलवा, कोहली ने की तारीफ, पिता बोले- अब भारतीय टीम में देखना है बेटा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

झुंझुनूं जिले के गुढ़ा क्षेत्र से उभरते आईपीएल स्टार मुकुल चौधरी के पिता दलीप खेदड़ का चिड़ावा आगमन पर स्वागत किया गया, जहां उन्होंने बेटे के संघर्ष और सफलता की कहानी साझा की। दलीप खेदड़ ने बताया कि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ यादगार पारी खेलने से पहले मुकुल को गेंद तक सही से नजर नहीं आ रही थी, लेकिन इसके बावजूद उसने शानदार बल्लेबाजी करते हुए धोनी स्टाइल में हेलीकॉप्टर शॉट लगाकर सबको चौंका दिया। उन्होंने कहा कि उनका सपना केवल आईपीएल तक सीमित नहीं, बल्कि मुकुल को भारतीय टीम में खेलते देखना है। उन्होंने बेटे को क्रिकेटर बनाने के लिए कर्ज लेने और जेल तक जाने जैसे कठिन संघर्षों का भी जिक्र किया। मुकुल की मुलाकात विराट कोहली से होने पर उन्होंने बताया कि विकेटकीपिंग के दौरान कोहली ने उसे नाम लेकर संबोधित किया, जिससे वह बेहद उत्साहित हुआ। साथ ही योगराज सिंह ने भी मुकुल की प्रतिभा की सराहना की थी। दलीप खेदड़ ने अर्जुन तेंदुलकर को लेकर कहा कि सही मौका मिलने पर वह भी खुद को साबित करेंगे। उन्होंने बताया कि सिर में चोट लगने के बावजूद आईपीएल कैंप में मुकुल ने दो छक्के और दो चौके लगाए, जिसकी कोच लैंगर ने भी सराहना की। अब मुकुल का सपना महेंद्र सिंह धोनी से मिलना और फिनिशर के रूप में अपनी पहचान बनाना है। महालक्ष्मी ज्वेलर्स चिड़ावा हेड ऑफिस पर महासिंह मांठ व जयसिंह मांठ के नेतृत्व में हनुमान सिंह, मुकेश बराला, निखिल, राजू मराठा सहित कई लोगों ने गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

राजस्थान पुलिस के 77वें स्थापना दिवस पर एएसआई जयपाल सिंह रणवा व कांस्टेबल दिलीप सिंह सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

राजस्थान पुलिस के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर गुरुवार को पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में उत्कृष्ट सेवा देने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। यातायात शाखा झुंझुनूं में वर्ष 2025 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने पर एएसआई जयपाल सिंह रणवा एवं कांस्टेबल दिलीप सिंह को विशेष प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। प्रशंसा पत्र में उल्लेख किया गया कि दोनों ने कड़ी मेहनत व लगन से यातायात व्यवस्था का सफल संचालन किया तथा मोटर वाहन अधिनियम के तहत चलाए गए अभियानों में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को समझाइश देने के साथ आवश्यक कार्रवाई भी की, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में मदद मिली। एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने दोनों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि इनके योगदान से जिले की यातायात व्यवस्था में सुधार हुआ है और दुर्घटनाओं में कमी आई है। इस दौरान अन्य पुलिसकर्मियों को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

सोडावास-मुंडावर में श्रद्धा और सेवा के साथ मनाया गया महंत बालक नाथ योगी का जन्मदिवस, किया पौधरोपण

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । तिजारा विधायक, पूर्व सांसद अलवर एवं बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय (रोहतक) के कुलपति महंत बालक नाथ योगी का जन्मदिवस बुधवार को सोडावास और मुंडावर क्षेत्र में श्रद्धा, सेवा और संकल्प के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम महंत शुभनाथ एवं योगेंद्र नाथ के सानिध्य में संपन्न हुआ, जहां उपस्थित श्रद्धालुओं और गणमान्य नागरिकों ने महंत बालक नाथ के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 'सेवा ही संकल्प' अभियान के तहत 11 छायादार एवं फलदार पौधों का पौधारोपण किया गया। वक्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। इस अवसर पर भाजपा मंडल उपाध्यक्ष, जाट बहरोड़ भीमराज यादव, महंत शुभनाथ, समाजसेवी सोडावास अनिल शर्मा, अध्यापक रामानंद, डॉ. सुमित यादव, कैलाश शर्मा, सरवन सिंह चौहान और अमित सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने महंत बालक नाथ योगी के समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद किया।

सुल्ताना में मुख्य सड़क से अतिक्रमण हटाने के कलेक्टर ने दिए आदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

नगरपालिका सुल्ताना क्षेत्र की मुख्य सड़क मार्ग पर अतिक्रमण हटाने को लेकर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। बिशुजी के गेट, पट्टी नोहरे से मोदी मार्केट, मुख्य बस स्टैंड, एसबीआई बैंक, बीओबी बैंक टेकड़ा तिराहा से होते हुए पदमपुरा रोड नगरपालिका कार्यालय तक जाने वाली प्राचीन सड़क, जो गैर मुमकिन आबादी, मंदिर माफी व अन्य भूमि से होकर गुजरती है और अब रिकॉर्ड में नगरपालिका सुल्ताना के नाम दर्ज है, उस पर अतिक्रमण हटाने के लिए जिला कलेक्टर झुंझुनूं ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। 16 अप्रैल 2026 को दर्ज परिवाद संख्या 3932 पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नगरपालिका सुल्ताना के अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए कि आबादी क्षेत्र में स्थित इस मुख्य सड़क मार्ग से अतिक्रमण तुरंत प्रभाव से हटाया जाए।

कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में आने वाली सद्भाव यात्रा अटेली में 20 को पहुंचेगी

सद्भाव यात्रा कांग्रेस पार्टी की यात्रा है-उदयवीर पूनिया

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । कांग्रेस नेता व पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह नेतृत्व में पिछले छः माह से चल रही सद्भाव यात्रा अटेली में 20 अप्रैल को पहुंचेगी। यह यात्रा अटेली विधानसभा के दोनों कस्बों अटेली व कनीना के गांवों में भाजपा के नफरती एजेंडे का लोगों के बीच में 20 अप्रैल व 21 अप्रैल दो दिन पर्दाफाश करेगी। यह बात यात्रा की तैयारियों को लेकर अटेली के पीएमजी निजी होटल में बृहस्पतिवार को चौधरी वीरेंद्र सिंह के पूर्व राजनीतिक सलाहकार उदयवीर पूनिया की मौजूदगी में एक विशेष बैठक हुई। जिसमें कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष सतवीर झुकिया,पूर्व आईएएस विनय यादव,लवली यादव, एलसी जोशी,महेंद्र सिंह राता,भरत सिंह हरचंदपुर, मंजीत एडवोकेट, सरजीत नंबरदार, लवली यादव,विशेष रूप से मौजूद रहे। पूर्व आईएएस विनय यादव ने कहा कि 20 अप्रैल से अटेली विधानसभा में बृजेंद्र सिंह कि सद्भाव यात्रा आएगी। ओर 21 अप्रैल को भी यात्रा क्षेत्र में रहेंगी यानी दो दिन क्षेत्र में यात्रा रहेगी। जिसको लेकर रोडमैप तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा कांग्रेस पार्टी की यात्रा है। राहुल गांधी की अनुमति से यह यात्रा चली हुई है। सद्भाव यात्रा को लेकर प्रदेश की 76 विधानसभाओं को कवर कर दिया है। इस यात्रा की शुरुआत सही मायने में तो आपके इलाके से हुई थी। कुछ लोगों की धारणा ही थी कि जींद एवं हिसार में उनके स्वयं के घर है उस साइड तो यह यात्रा निकाल लेंगे। उसके बाद यह कैसे निकालेंगे लेकिन आप लोगों की नांगल चौधरी जिस प्रकार से जन समर्थन दिया उसी के कारण आज यात्रा अपने सर्वोच्च पर है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष सतबीर झुकिया ने कहा कि सद्भाव यात्रा जो राज्य में भाईचारे को मजबूत करने और जनता से जुड़ने का एक अभियान है। यह यात्रा 5 अक्टूबर 2025 को जींद शुरू हुई थी। वहीं कांग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष सतवीर झुकिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अटेली विधानसभा के कार्यकर्ता तैयारियों को लेकर पार्टी के कार्यकर्ता आये है, जल्द ही प्रदेश अध्यक्ष की यात्रा में शामिल होंगे। अभी तक शामिल इसलिए नहीं है कि उनके कार्यक्रम एक दिन में अनेक होते हैं। सद्भाव यात्रा से हरियाणा प्रदेश में सामाजिक एकता को बढ़ावा मिल रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि सद्भाव यात्रा के माध्यम से पूरे हरियाणा में सामाजिक एकता और भाईचारे को मजबूती मिल रही है। आने वाले समय में यह यात्रा और भी अधिक लोगों को जोड़ते हुए प्रदेश में एक सकारात्मक संदेश फैलाने का कार्य करेगी। इस मौके पर दलवीर चौधरी, मंगतूराम बोहरा, अशोक चौधरी कुलदीप भरगड सहित अनेक नेता अन्य नेता मौजूद रहे।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा आईएएस ने समाधान शिविर में सुनी जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

शिविर में परिवार पहचान पत्र व बिजली विभाग से संबंधित कुल 6 आवेदन प्राप्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने वीरवार को लघु सचिवालय में आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में उपस्थित नागरिकों की समस्याएं पूरी गंभीरता से सुनीं। इस दौरान उन्होंने आमजन की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निवारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए। वीरवार को आयोजित इस समाधान शिविर में विभिन्न समस्याओं को लेकर कुल 6 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त शिकायतों में से 4 आवेदन परिवार पहचान पत्र में त्रुटि दुरुस्त करने से संबंधित थे, जबकि 2 आवेदन बिजली विभाग से संबंधित रहे। एसडीएम आकाश शर्मा ने इन सभी आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए इन्हें तुरंत संबंधित विभागों के अधिकारियों को फॉरवर्ड कर दिया। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्राप्त किसी भी आवेदन या जनशिकायत को लंबित न रखा जाए और निर्धारित समय-सीमा के भीतर इनका गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निवारण करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आयोजित किए जा रहे इन समाधान शिविरों का मुख्य उद्देश्य यही है कि आमजन को अपनी शिकायतों के निवारण के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और उन्हें एक ही स्थान पर तुरंत राहत मिल सके।

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स का मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स की टीम का मुकाबला आजिंक्य रहाणे की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। इस मैच में गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेगी। टाइटन्स की टीम भी अभी तक अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाई है। उसे अभी तक यहां खेले गए एकमात्र मैच में राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद उसने विरोधी टीम के मैदानों पर दो जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। । टीम के पास अच्छे बल्लेबाज हैं और उसकी गेंदबाजी भी काफी अच्छी है। उसके तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छी गेंदबाजी की है। बल्लेबाजी में शुभमन के अलावा टीम के पास जोस बटलर और राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों हैं। आंकड़ों की बात करें तो अब तक दोनो के बीच पांच मुकाबे हुए हैं जिसमें से गुजरात ने तीन जबकि केकेआर ने एक मैच जीता है। वहीं एक मैच बेनतीजा रहा।

वहीं दूसरी ओर अपने पांच में से चार मैच हारी केकेआर का प्रदर्शन इस बार बेहद खराब रहा है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी कमजोर है। उसका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इसी कारण उसे एक अंक मिला है। ऐसे में कप्तान रहाणे का प्रयास किसी प्रकार टीम को जीत दिलाना रहेगा। केकेआर की टीम का प्रयास गुजरात के खिलाफ मैच जीतकर लय हासिल करना रहेगा। । केकेआर की टीम को इसके लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार करना होगा। हर्षित राणा और आकाश दीप के चोटिल होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर है जिसके देखते हुए किसी अच्छे गेंदबाज को शामिल करना होगा। इसके अलावा उसके फार्म से बाहर चल रहे स्पिनरों सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उसे लगातार असफल हो रहे कैमरुन ग्रीन की जगह पर टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे किसी खिलाड़ी को शामिल करने पर विचार करना होगा। उसके कप्तान को भी ठीक फैसले लेने होंगे। पिछले मैचों में उसके कप्तान के टॉस जीतने के बाद कई गलत फैसलों से भी टीम को नुकसान हुआ है। टीम की

गेंदबाजी कितनी लचर है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह 220 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर सकी जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 65 रनों से हार गयी जबकि लक्ष्य 200 से भी कम था।

टीम के बल्लेबाजी क्रम में कमी नजर आती है। पिछले मैच में सुनील नारायण को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजा गया जबकि रहाणे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। यह दोनों ही बदलाव गलत साबित हुए थे। मनीष पांडे, राहुल त्रिपाठी और सार्थक रंजन जैसे बल्लेबाजों को अभी तक अवसर नहीं मिला है। ऐसे में केकेआर के लिए जीत दर्ज करन काफी कठिन है। उसे बल्लेबाजी, गेंदबाजी सहित सभी क्षेत्रों में सुधार करना होगा।

टीम इस प्रकार है

गुजरात टाइटंस = शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स = अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी, सार्थक रंजन, सौरभ दुबे।

बार्सिलोना ओपन से हटे अल्कराज, फ्रेंच ओपन में भी खेलना संदिग्ध

बार्सिलोना (एजेंसी)। स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने कलाई की चोट के कारण बार्सिलोना ओपन टेनिस से अपना नाम वापस ले लिया है। अल्कराज यहां दूसरे दौर में पहुंच गये थे ऐसे में उनके बाहर होने से प्रशंसकों को झटका लगा है। ऐसे में खिताब जीतने को अवसर उनके हाथ से निकल गया। इसके अलावा आगामी फ्रेंच ओपन टेनिस में उनका खेलने पर संशय हो गया है। अल्कराज ने क्वालिफायर ओटो विरटेनन के खिलाफ अपने शुरुआती मुकाबले में सीधे सेटों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसी मैच के दौरान रिटर्न करते समय उन्हें अपनी कलाई में दर्द लगा जिसके बढ़ने से उन्हें अपना नाम वापस लेना पड़ा है। टॉमस मैसेके के खिलाफ दूसरे दौर के मैच से पहले हुई जांच मे उनकी चोट गंभीर पाई गई, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

इसी को लेकर अल्कराज ने कहा, मैच के दौरान रिटर्न करते समय लगा कि मेरी कलाई जवाब दे गई है। टेस्ट के बाद पता चला कि चोट हमारी उम्मीद से ज्यादा गंभीर है। मुझे अपने शरीर की सुननी होगी और इस समय रिकवरी को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह जल्द से जल्द घर लौटकर अपनी मेडिकल टीम, जिसमें डॉक्टर्स और फिजियो शामिल हैं, के साथ उपचार शुरू करेंगे, ताकि वह आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स के लिए फिट हो सकें।

इस चोट के कारण अल्कराज के हाथ से नंबर एक स्थान फिर से हासिल करने का मौका भी निकल गया। अगर वह यहां जीतते तो शीर्ष स्थान पर वापसी कर सकते थी। अब उनका लक्ष्य 18 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन के लिए पूरी तरह से फिट होना रहेगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में, ब्रिटेन के कैमरून नॉरी ने ईथन क्विन को 6-3, 4-6, 6-4 से हराकर तीसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है।

टी20 प्रारूप में आप एक ही तरह से गेंदबाजी करके प्रासंगिक नहीं रह सकते : लुंगी एनगिडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में बड़े-बड़े बल्लेबाजों को परेशान करने वाली लुंगी एनगिडी की नीचे की ओर गिरती हुई धीमी गेंद (डिपिंग स्लोअर बॉल) इंडियन प्रीमियर लीग में भी बल्लेबाजों के लिए उतनी ही घातक बनी हुई है। एनगिडी ने 2018 में चेन्नई सुपरकिंग्स में ड्वेन ब्रावो के कहने पर अपनी धीमी गेंदों पर काम करना शुरू किया था और खेल के इस सबसे छोटे प्रारूप में इस अहम कला में महारत हासिल करने में उन्हें थोड़ा समय लगा। दक्षिण अफ्रीका और दिल्ली कैपिटल्स के इस तेज गेंदबाज को हैरानी है कि अब सभी उनकी गेंदबाजी विविधताओं के बारे में बात कर रहे हैं जबकि ये वर्षों से उनके खेल का हिस्सा रही हैं। बृहस्पतिवार को चुनिंदा संवाददाताओं से बात करते हुए एनगिडी ने अपनी हाल की सबसे असरदार गेंद के बारे में बात की। एक धीमी गेंद जो बल्लेबाज के पास पहुंचते-पहुंचते नीचे की ओर गिरने लगती है। यह धीमी यॉर्कर, लेंथ गेंद या धीमी बाउंसर हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान कहा था, 'यह एक ही गेंद के साथ तीन अलग-अलग लेंथ हैं और बल्लेबाज को यह अंदाजा लगाना होता है कि अगली गेंद कौन सी आने वाली है।' बृहस्पतिवार को इस तेज गेंदबाजी से उनकी विविधताओं और टी20 प्रारूप में बल्लेबाजों से आगे रहने में वह कैसे कामयाब रहे इस बारे में कई सवाल पूछे गए। एनगिडी ने उन सभी का जवाब बहुत ही आसान शब्दों में दिया।

भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मैच मुमकिन नहीं, आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज होने की संभावना भविष्य में कभी भी मुमकिन नहीं होगी, इसकी वजह है पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) पर राजनीतिक असर। उन्होंने कहा कि अगर बोर्ड ने 'राजनीतिक दांव-पेच न खेले होते और इसे राजनीतिक मुद्दा न बनाया होता', तो शायद 'कुछ बात बन सकती थी'।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से बात करते हुए मोदी ने इस विचार को खारिज कर दिया कि कोई न्यूट्रल जगह भी दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को फिर से शुरू कर सकती है। उन्होंने कहा कि असली मुद्दा वह है जिसे उन्होंने क्रिकेट पर बढ़ते राजनीतिक असर के तौर पर बताया। मोदी ने दोहराया कि हालात जल्द सुधरने की उम्मीद नहीं है, जिससे निकट भविष्य में द्विपक्षीय सीरीज की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। 'स्टिक टू क्रिकेट' पॉडकास्ट पर उन्होंने कहा, 'मुझे डर है कि निकट भविष्य में यह मुमकिन नहीं हो पाएगा, इसकी मुख्य वजह है पाकिस्तान में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का राजनीतिकरण। और बदकिस्मती से, हालात ऐसे ही हैं।'

उन्होंने तर्क दिया कि क्रिकेट जगत में अब फैसले आजादी से नहीं लिए जा रहे हैं, जिससे दोनों टीमों के बीच मैच करवाने की कोशिशें और मुश्किल हो गई हैं। उन्होंने भारत-पाकिस्तान मैचों के दौरान बने तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'मैं ही वह इंसान था जो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईपीएल में लेकर आया था, लेकिन 26/11 के मुंबई हमलों के बाद मुझे उन्हें हटाना पड़ा।'

उन्होंने कहा, 'दिक्कत यह है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आजाद होता और आजादी से काम करता, अगर उस पर राजनीति का असर न होता, तो शायद कुछ बात बन सकती थी। लेकिन आज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर सत्ता में बैठे लोगों का इतना ज़्यादा राजनीतिक असर है कि वे ही सारे फैसले ले रहे हैं और इसे राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं। हमारे बीच उस स्तर पर यानी राजनीतिक स्तर पर तनाव है और वह तनाव खत्म होने वाला नहीं है। यह तो और भी बदतर होता जाएगा। इसलिए मुझे खिलाड़ियों की सुरक्षा की चिंता है।'

भारत और पाकिस्तान ने 2012-13 सीजन के बाद से नियमित द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज खेलना बंद कर दिया था। जनवरी 2013 में पाकिस्तान के भारत दौरे के बाद बढ़ते राजनीतिक तनाव और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की वजह से द्विपक्षीय सीरीज बंद हो गई। तब से दोनों देशों ने अपने मुकाबले सिर्फ ICC वर्ल्ड कप और एशिया कप जैसे कई देशों वाले टूर्नामेंट तक ही सीमित रखे हैं।

भारत-पाकिस्तान संबंधों के अलावा मोदी ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा न लेने के बांग्लादेश के फैसले पर भी अपनी राय दी। बांग्लादेश ने भारत आने-जाने से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं की वजह से यह फैसला लिया था। उन्होंने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह बेवजह था।

ऑस्ट्रेलिया में हो सकता है आईपीएल का अगला सत्र

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पिछले 18 साल में लगातार आगे बढ़ने के साथ ही दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग बन गई है। इसकी आपार लोकप्रियता और वैश्विक अपील को देखते हुए, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कई बार इसके मुकाबलों को विदेशी धरती पर भी आयोजित किया है, अरब अमीरात की धरती हो या दक्षिण अफ्रीका के मैदान पर जगह इसके मुकाबले सफल रहे हैं। अब अगले सत्र में आईपीएल के ऑस्ट्रेलिया में आयोजन की संभावनएं बन रही हैं। यह कदम लीग के वैश्विक होने की दिशा में एक और मजबूत कदम होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया का एडिलेड ओवल स्टेडियम अगले साल मार्च में एक नियमित सत्र के आईपीएल मैच की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। एडिलेड ओवल के चेयरमैन जेमी ब्रिग्स और दक्षिण ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के प्रमुख विल रेयनर ने ये बात ही है। इस योजना पर कई हितधारकों के साथ प्रारंभिक चर्चाएँ हो चुकी हैं हालांकि बीसीसीआई से अभी तक औपचारिक रूप से संपर्क नहीं किया गया है। यह देखना होगा कि बीसीसीआई इस अनूठे प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया देता है। वहीं आईपीएल के बदले में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) भी चेन्नई में एक मैच आयोजित करने पर विचार कर सकती है। इससे देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को मजबूत होने की संभावना है। एडिलेड को इस संभावित आयोजन के लिए कई कारणों से उपयुक्त माना जा रहा है। मार्च का महीना ऑस्ट्रेलिया में अनुकूल मौसम प्रदान करता है, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कैलेंडर में एक खाली समय होता है, और यह सुनिश्चित करता है कि प्रशंसकों की भागीदारी सबसे अधिक हो। अब देखना है कि बीसीसीआई इस मामले में क्या प्रतिक्रिया देता है।

23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं धोनी

इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतार सकती है सीएसके

मुम्बई। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अब पिंडली में आये खिंचाव से उबर गये हैं और उनकी शीघ्र टीम में वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी की कमी टीम को काफी महसूस हो रही है पर अब क्रिकेट प्रेमियों और प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच से वापसी कर सकते हैं। धोनी को इस मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा जा सकता है। धोनी अभ्यास सत्र दौरान पिंडली में खिंचाव के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हो गए थे। हालांकि, अब रिपोर्टों के मुताबिक 44 वर्षीय धोनी अब पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं। धोनी के नहीं खेलने पर सीएसके का अब तक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। टीम ने आईपीएल 2024 में पांच मुकाबले खेले हैं, जिनमें से तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा और दो में जीत मिली। शुरुआती तीन हार के बाद, ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली टीम ने पिछले दो घरेलू मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर अपनी लय हासिल कर ली है। हालांकि, मौजूदा अंक तालिका में सीएसके 10 टीमों में से आठवें स्थान पर है, ऐसे में टीम को धोनी की वापसी का बेसब्री से इंतजार है ताकि टीम और बेहतर प्रदर्शन कर सके। अधिक बोझ न डालते हुए टीम धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतार सकती है, जिससे उनकी बल्लेबाजी का पूरा लाभ उठाया जा सके। धोनी के होने भर से ही टीम में उत्साह रहता है। इसके अलावा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को भी वह जरुरी सलाह दे सकते हैं। धोनी के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करना एक विशेष क्षण होगा, क्योंकि इस टीम के खिलाफ उनका रिकॉर्ड हमेशा शानदार रहा है। उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुल 44 मैच की 38 बल्लेबाजी पारियों में उन्होंने 772 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 35.09 और स्ट्राइक रेट 130.62 रहा है।

सीएसके जीत के बाद भी कप्तान रुतुराज के फार्म को लेकर चिंतित

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) शुरुआती मैचों में हार के बाद लगातार दो मैच जीतकर जीत की राह पर लौटी है। सीएसके की जीत के बाद भी, कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन से उसपर दबाव बना हुआ है। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट बेहद खराब रहा है। इस मैच में भी वे तेजी से रन बनाने की कोशिश में 7 रन (6 गेंद) बनाकर आउट हो गए। आयुष म्हात्रे के साथ बल्लेबाजी क्रम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। इसके अलावा, गायकवाड़ ने एक आसान कैच भी गिरा दिया, हालांकि शुक्र है कि इससे सीएसके को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

वहीं सीएसके से मिली हार के साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम का इस सत्र में हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी के साथ ही केकेआर अकेली ऐसी टीम बन गयी है जो अभी तक एक भी मैच नहीं जीती है।

सीएसके के खिलाफ मैच में भी वह दबाव का सामना नहीं कर पायी और बिखर गयी। सीएसके टीम में अकील हुसैन और नूर अहमद के सामने केकेआर के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। सहायक गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम ने नूर की सफलता में अकील की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि अकील ने नूर को सही लेंथ पर गेंद डालने की सलाह दी, जिसके बाद नूर लगभग अजेय हो गए थे। फिन एलन के लिए एक और निराशाजनक मैच रहा। उन्होंने सीजन की शुरुआत कुछ अच्छी पारियों के साथ की थी, लेकिन एक विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज के तौर पर केकेआर उनसे कहीं बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। एलन पिछले तीन मैचों में प्रभाव डालने में विफल रहे हैं, और तीनों में वे दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। टीम की लगातार हार को देखते हुए केकेआर कब तक उन पर भरोसा कर पाएगी? उनके साथी टिम सीफर्ट बेंच पर इंतजार कर रहे हैं, जिन्होंने टी20 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया था।

70 लाख डॉलर के अनुबंध मामले में फंसे लियोनेल मेस्सी, इवेंट प्रमोटर ने दायर किया मुकदमा

मियामी । स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी पर मियामी स्थित एक 'इवेंट प्रमोटर' ने मुकदमा दायर किया है, जिसका कहना है कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अनुपस्थित रहकर 70 लाख डॉलर के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार विड म्यूजिक ग्रुप ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेस्सी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (AFA) के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का मुकदमा दायर किया था। मेस्सी और AFA ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए भेजे गए सवालों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। मेस्सी को महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए खेलते हैं और प्रशंसक उन्हें खेलते हुए देखने के लिए अक्सर बहुत अधिक कीमत चुकाते हैं। मुकदमे के अनुसार विड ने पिछले साल गर्मियों में अर्जेंटीना के वेनेजुएला और प्यूर्टोरिको के खिलाफ होने वाले मैत्री मैचों के लिए स्त्र के साथ एक समझौता किया था। विड का दावा है कि मेस्सी को प्रत्येक मैच में कम से कम 30 मिनट खेलना था, बशर्ते कि वह घायल न हों। मेस्सी वेनेजुएला के खिलाफ मैच में नहीं खेले थे।

क्रुणाल पांड्या ने आईपीएल में बनाया रिकार्ड , अक्षर और जडेजा के क्लब में शामिल

-100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मुकाबले में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। क्रुणाल ने इस मैच में अब्दुल समद को आउट करते ही आईपीएल में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। आईपीएल में ऐसा करने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय बने हैं, उनसे पहले ये खास उपलब्धि सिर्फ रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ही हासिल कर पाए थे। गेंदबाजी ही नहीं बल्लेबाजी में भी वह किसी से पीछे नहीं है। आईपीएल में उनके नाम 1000 रन भी हैं। सुपरजायंट्स के खिलाफ मैच में क्रुणाल ने 4 ओवर की गेंदबाजी में 38 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने एलएसजी की पारी के 10वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मिचेल मार्श को आउट कर अपना विकेट खाता खोला और फिर 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर समद को पेवेलियन भेज दिया। . समद को आउट करते ही आईपीएल में उनके विकेट का शतक पूरा हो गया हालांकि, आरसीबी की पारी में क्रुणाल की बल्लेबाजी नहीं आई। बल्लेबाजी में क्रुणाल के नाम है 1700 से ज्यादा रन भी हैं। क्रुणाल एक बेहतरीन बैटिंग ऑलराउंडर है।. गेंदबाजी के साथ-साथ उन्होंने मध्यक्रम में अपनी बल्लेबाजी से भी कई बार टीम को जीत दिलायी है। आईपीएल में उन्होंने अबतक 119 पारियों में 1757 रन भी बनाए हैं। इसके कारण ही वह रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के बाद आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। वहीं जडेजा ने आईपीएल में चार टीमों के लिए 259 मैचों में 173 विकेट और 3336 रन बनाए हैं, जबकि अक्षर पटेल ने 166 आईपीएल मैचों में 1919 रन और 131 विकेट लिए हैं। वहीं इनके अलावा तीन विदेशी खिलाड़ियों सुनील नरेन, आंद्रे रसेल और ड्वेन ब्रावो ने भी आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लिए हैं।

बांग्लादेशी तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का किया ऐलान

-आईपीएल 2026 के बीच खेल प्रेमियों के लिए आई भावुक कर देने वाली खबर

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के रोमांच के बीच क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बांग्लादेश के दिग्गज तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से तत्काल प्रभाव से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। 36 वर्षीय इस गेंदबाज का करियर एक दशक से भी अधिक समय तक चला, जिसमें उन्होंने अपनी तेज रफ्तार गेंदों से दुनिया के कई बड़े बल्लेबाजों को परेशान किया। रुबेल ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था, जिसके बाद से वे राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह देख रहे थे। रुबेल हुसैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक भावुक संदेश साझा करते हुए अपने फैसले की जानकारी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनना उनके लिए हमेशा गर्व की बात रही है, लेकिन अब समय आ गया है कि वे युवाओं के लिए रास्ता छोड़ें और अंतरराष्ट्रीय मंच को अलविदा कहें। हालांकि, रुबेल ने यह भी स्पष्ट किया कि वे क्रिकेट के मैदान को पूरी तरह नहीं छोड़ रहे हैं। वे घरेलू क्रिकेट और बांग्लादेश प्रीमियर लीग (BPL) जैसे टूर्नामेंटों में खेलना जारी रखेंगे और अपनी फिटनेस पर ध्यान देंगे। रुबेल का अंतरराष्ट्रीय करियर आंकड़ों के लिहाज से काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने बांग्लादेश के लिए 27 टेस्ट मैचों में 36 विकेट, 104 वनडे मैचों में 129 विकेट और 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 28 विकेट अपने नाम किए। वे उन चुनिंदा गेंदबाजों में शामिल रहे हैं जिन्होंने विश्व कप जैसे बड़े आयोजनों में बांग्लादेश की जीत में अहम भूमिका निभाई। रुबेल ने अपने संदेश में परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी वे नई भूमिकाओं में क्रिकेट से जुड़े रहेंगे और खेल की सेवा करते रहेंगे।

गेंदबाज पंत को आउट नहीं कर रहे, अधिकतर वह खुद आउट हो रहा है:नवजोत सिंह सिद्धू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऋषभ पंत अपनी विकेट खुद ही गंवा रहे हैं जबकि वह इसके लिए गेंदबाजों को मेहनत नहीं करवा रहे और और इसी वजह से मौजूदा आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

मौजूदा सत्र में पंत का प्रदर्शन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है जिसमें कई बार उन्होंने बहुत कम स्कोर बनाए हैं। उन्होंने एकमात्र अच्छी पारी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 68 रन की खेली। सुपर जाइंट्स की टीम इस समय अंक तालिका में सातवें स्थान पर है जिसकी मुख्य वजह उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना है।

पंत और सुपरजाइंट्स के बारे में बात करते हुए सिद्धू ने कहा, 'उन्हें अपनी कमियों पर काफी गहराई से सोचने की जरूरत है। उनकी समस्याएं बनी हुई हैं, विशेषकर इसलिए क्योंकि उनका शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। वे अपने शुरुआती तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर रहे हैं लेकिन उन्हें इसका कोई फायदा नहीं मिला है। जब आप (एडेन) मारक्रम, (निकोलस) पूरन, (मिचेल) मार्श और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को देखते हैं तो उनमें जबरदस्त क्षमता नजर आती है लेकिन उनके बीच साझेदारियों की कमी है।'

सिद्धू ने कहा, 'शीर्ष क्रम में 50 रन की साझेदारी भी बहुत कम देखने को मिली है। मुझे नहीं लगता कि गेंदबाज ऋषभ को आउट कर रहे हैं बल्कि अधिकतर वह खुद ही आउट हो रहे हैं। उनमें प्रतिभा और क्षमता दोनों हैं और अगर वह खुद को थोड़ा समय दें तो वह अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। फिलहाल उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही संघर्ष करती नजर आ रही हैं।'

बुधवार को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 5 विकेट की हार के दौरान पंत सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए थे। पंत लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और पांच मैच में सिर्फ 104 रन बना पाए हैं। उनका औसत 26.00 और स्ट्राइक रेट 122.35 का है। सिद्धू रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार विराट कोहली की रनों की भूख से काफी प्रभावित हुए जबकि वह लगभग दो दशकों से शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेल रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'विराट कोहली अगर अपनी 20 प्रतिशत क्षमता से भी खेले तो भी वह

अधिकतर खिलाड़ियों के शत प्रतिशत प्रदर्शन से बेहतर होते हैं। उनका प्रभाव और दबदबा ही कुछ ऐसा है। शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद उन्होंने जबरदस्त अर्धशतकीय पारी खेली।' सिद्धू ने कहा, 'जिस तरह से उन्होंने मोहम्मद शमी पर दबदबा बनाया वह देखने लायक था। वह अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए कवर के ऊपर से शॉट लगा रहे थे और बहुत ही सहजता से पुल और कट शॉट खेल रहे थे।'

19 की उम्र में शादी, 22 साल बाद तलाक, ऐसी रही 'भाभीजी' शुभांगी अत्रे की लव लाइफ

टेलीविजन की जानी-मानी एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे ने अपने करियर में कई सीरियल में काम किया. लेकिन 'भाभीजी घर पर हैं' ने कुछ दिनों में ही शुभांगी अत्रे को ऐसी पहचान दिला दी कि आज उन्हें हर कोई जानता है. शुभांगी अत्रे ने 'भाभीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर ऐसी पहचान बना ली है, जिसे मिटाना मुश्किल हैं. उन्होंने बहुत मेहनत करके अपने टैलेंट के दम पर पहचान बनाई है. शुभांगी को अपने करियर में काफी स्ट्रगल भी किया. आइए जानते हैं कि उन्होंने फर्श से अर्श तक का सफर कैसे तय किया.

टीवी एक्ट्रेस शुभांगी अत्रे किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. 'अंगूरी भाभी' बनकर उनकी फैन फॉलोइंग इतनी बढ़ गई कि सोशल मीडिया पर उनके 10 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. शुभांगी अत्रे 11 अप्रैल को अपना 45वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. आइए ऐसे में जानते हैं कि शुभांगी का पर्सनल से प्रोफेशनल लाइफ के बारे में.

शुभांगी अत्रे का करियर

शुभांगी अत्रे ने अपने करियर की शुरुआत 2007 में एकता कपूर के टीवी शो 'कसौटी जिंदगी की' से की है. इसके बाद वो कई सीरियल्स में नजर आईं, जिसमें 'कस्तूरी', 'कुमकुम', 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'दो हंसों का जोड़ा' और 'चिड़िया घर' शामिल हैं. हालांकि, शुभांगी को सबसे ज्यादा फेम 'भाभीजी घर पर हैं' से ही मिला. उन्होंने इस किरदार में अपनी एक्टिंग से लाखों लोगों का दिल जीता और 10 साल तक ये भूमिका निभाई.

शुभांगी अत्रे की पढ़ाई-लिखाई

इंदौर की रहने वाली शुभांगी अत्रे ने अभिनय में आने से पहले MBA की डिग्री पूरी की थी. वैसे तो वो हमेशा से ही एक्टिंग करना चाहती थीं, लेकिन उन्होंने अपनी पढ़ाई से फोकस कभी नहीं हटने दिया. MBA करने के बाद शुभांगी ने अपने सपने की ओर पहला कदम बढ़ाया और वो पुणे आ गईं. पुणे आकर शुभांगी ने एक्टिंग स्कूल में एडमिशन लिया और एक्टिंग की बारीकियां सीखीं.

19 साल की उम्र में की शादी

19 साल की उम्र में शुभांगी अत्रे ने अपने स्कूल के प्यार पीयूष से साल 2003 में शादी की थी. शादी के दो साल बाद 2005 में शुभांगी ने एक बेटी को जन्म दिया. हालांकि, वक्त के साथ-साथ दोनों के रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगीं. लगभग 19-20 साल साथ रहने के बाद वैचारिक मतभेदों और पीयूष की शराब की लत के कारण दोनों अलग हो गए. फरवरी 2025 में कपल का तलाक हो गया था. तलाक के 2 महीने बाद अप्रैल 2025 में उनके पूर्व पति का निधन हो गया था.

दिल चीज़ क्या है... उमराव जान के गानों ने जब आशा भोसले को पाकीजा की लता मंगेशकर-सी ऊंचाई पर पहुंचा दिया

सत्तर का दशक बीत रहा था. आशा भोसले एक उभरती गायिका के तौर पर अपनी पहचान बना चुकी थीं. लता मंगेशकर बेशक शीर्ष पर थीं लेकिन आशा अपनी आवाज़ की खनक से संगीतकारों के लिए एक नया विकल्प बन चुकी थीं. वो बैजयंती माला, मीना कुमारी, शशिकला जैसी अभिनेत्रियों को आवाज़ दे चुकी थीं लेकिन इसके बावजूद तब उन्हें हेलन की आवाज़ कहा जाता था. बी या सी ग्रेड का ठप्पा छूट नहीं पा रहा था. आइटम सांग पेश करने वाली एक्ट्रेस की आवाज कही जाती थी. कहने का आशय यह कि तब लता की तरह गायन में प्रतिष्ठा नहीं मिली थी. इसके लिए उन्हें लंबा संघर्ष करना पड़ा. लता मंगेशकर के बराबर कद बनाने में कई साल लगे और उनकी यह मुराद अस्सी के दशक में जाकर पूरी हो सकी, जब मुजफ्फर अली और रेखा की क्लासिक पेशकश उमराव जान रिलीज हुई. मीना कुमारी की पाकीजा से इसकी तुलना कई स्तरों पर की गई.

आशा भोसले ने उस दौर में हेलन के लिए कई गाने गाए थे. स्वाभाविक था कि उन्हें तब हेलन की आवाज कहा गया. मसलन 1978 की अमिताभ बच्चन वाली डॉन का गाना ये मेरा दिल प्यार का दीवानाञ्ज या फिर उससे पहले 1971 की जितेंद्र की कारवा में पिया तू अब तो आजाञ्ज या फिर 1973 की संजीव कुमार की अनामिका में आज की रात कोई आने को हैञ्ज ने तब धूम मचाने में जरा भी कसर नहीं छोड़ी. आशा भोसले ने इन गानों की वजह से एक अलग श्रोता वर्ग तैयार किया. ऐसा श्रोता, जो लता मंगेशकर के गानों को बड़े चाव से सुनता तो था लेकिन जिस कशिश को पाने की ख्वाहिश थी, वह आशा की आवाज़ सुनने के बाद पूरी होती थी.

80 के दशक के गायन में कशिश की मांग बढ़ी

दरअसल लता के सुर में उच्च कोटि की क्लासिकी थी. उस दायरे को मेंटेन रखते हुए उन्होंने प्रसिद्धि का शिखर हासिल किया. क्योंकि क्सालिकी का अपना मिजाज होता है. टाइमिंग और मूड के हिसाब से क्लासिकी के आनंद को हम महसूस कर पाते हैं. लेकिन जो ट्रेडिशनल नहीं है, उसके लिए कोई टाइमिंग और मूड की दरकार नहीं होती. सत्तर और अस्सी के दशक के बाद जिस तरह से सोसायटी में लोगों की लाइफस्टाइल बदली, शहरीकरण में तेजी आई वहां वेस्टर्न की गुंजाइश धीरे-धीरे बढ़ने लगी.यही वो दौर था जब आशा भोसले का सुर क्लासिकी के घेरे को तोड़कर अपने लिए एक नया मुकाम बनाने के लिए बेताब था. इसे मो. रफी साहब और किशोर कुमार की गायन शैली में अंतर के जरिए भी समझा जा सकता था. मो. रफी चाहे कितने भी मस्ती भरे गाने गाते, क्लासिकी उनसे छूटती नहीं लेकिन किशोर कुमार ने परंपरा तोड़कर अपनी-सी एक नई क्लासिकी इजाद कर दी.

'नाग गुरु' बनकर नागिन को ज्ञान देने आए थे अक्षय कुमार, वीडियो हुआ वायरल तो खुद ही हो गए ट्रोल

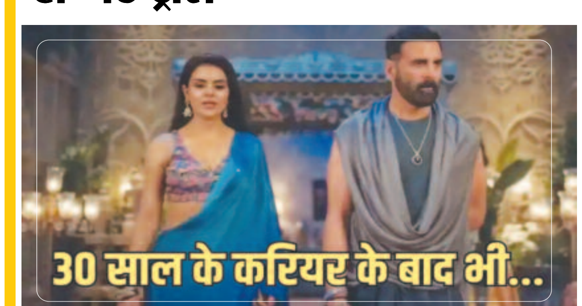

अक्षय कुमार इन दिनों अपने अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन में बिजी हैं, इसी बीच वो अपने टीवी अपीयरेंस को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गए हैं. दरअसल, एक्टर हाल ही में सुपरनैचुरल शो 'नागिन 7' में खास कैमियो करते नजर आए, जहां उन्होंने 'नाग गुरु' के किरदार में एंट्री ली. इस एपिसोड का प्रोमो सामने आते ही फैंस एक्साइटेड हो गए, लेकिन इसी वीडियो ने एक नया विवाद भी खड़ा कर दिया. वायरल क्लिप में कुछ यूजर्स ने दावा किया कि अक्षय कुमार डायलॉग बोलते समय टेलीप्रॉम्प्टर पढ़ते नजर आए, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जाने लगा.

17 अप्रैल को सिनेमाघरों में अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' रिलीज होने वाली है, फिल्म हॉरर कॉमेडी है. फिल्म को लेकर दर्शक काफी एक्साइटेड हैं, क्योंकि इस फिल्म के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी वापस लौट रही है. फिल्म का प्रमोशन जोरो पर है, इसी बीच अक्षय कुमार को 'नागिन 7' में भी देखा गया. शो का प्रोमो रिलीज हो चुका है, जिसमें अक्षय कुमार नागिन को दुश्मन से लड़ने का तरीका बताते दिखाई देते हैं. लेकिन, जैसे ही वीडियो वायरल हुआ, लोगों का ध्यान कहानी से ज्यादा अक्षय कुमार के अंदाज पर चला गया.

टेलीप्रॉम्प्टर से डायलॉग पढ़ रहे

कुछ यूजर्स ने दावा किया कि वो सामने रखे टेलीप्रॉम्प्टर से डायलॉग पढ़ रहे थे और उनकी नजर बार बार एक ही दिशा में जा रही थी.

इसके बाद कमेंट सेक्शन में रिएक्शन की बाढ़ आ गई. सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इसे लेकर मजाकिया अंदाज में रिएक्शन दिए. कुछ यूजर्स ने लिखा कि 30 साल के लंबे करियर के बाद भी अगर स्टार टेलीप्रॉम्प्टर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो ये हैरान करने वाली बात है. वहीं कुछ लोगों ने कहा कि ये पहली बार नहीं है, इससे पहले भी एक्टर पर इसी तरह के आरोप लग चुके हैं. हालांकि, कई फैंस ने उनका बचाव भी किया और कहा कि बड़े प्रोडक्शन में टेलीप्रॉम्प्टर का इस्तेमाल नॉर्मल बात है, खासकर जब कैमियो या छोटे रोल की शूटिंग जल्दी करनी हो.

क्या आवेज-नगमा का ब्रेकअप हो गया? बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट अफवाह को किया कंफर्म

बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट और सोशल मीडिया एंफ्लुएंसर आवेज दरबार और नगमा मिराजकर लंबे वक्त से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. कुछ वक्त पहले दोनों सलमान खान के शो में भी साथ ही नजर आए थे. लेकिन हाल ही में दोनों के अलग होने की अफवाह उड़ रही है. बीते दिनों आवेज दरबार की बर्थडे पार्टी में नगमा को देखकर अफवाह और भी तेज हो गई. हालांकि, कपल ने अभी तक अपने ब्रेकअप को लेकर ऑफिशियल बयान नहीं दिया है. इसी बीच बिग बॉस 19 शो का हिस्सा रह चुकीं कुनिका सदानंद ने आवेज और नगमा के अलग होने की खबरों को कंफर्म कर दिया है.

कुनिका सदानंद की आवेज और नगमा के साथ काफी अच्छा बॉन्ड है. कुनिका ने आवेज-नगमा के ब्रेकअप की खबरों पर चुप्पी तोड़ दी है और सच बताया है. एक हालिया इंटरव्यू में कुनिका ने बताया कि वो दोनों अब अलग हो गए हैं और उन्हें इस बात का बहुत दुख है. उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में उन्हें प्यार करने वाले पार्टनर मिलेंगे.

आवेज और नगमा का ब्रेकअप

एक इंटरव्यू में कुनिका सदानंद से आवेज दरबार और नगमा मिराजकर के ब्रेकअप की अफवाहों के बारे में पूछा गया. उन्होंने इन खबरों को कंफर्म करते हुए कहा कि ये उनके लिए काफी इमोशनल मूमेंट है, क्योंकि उन दोनों के साथ कुनिका का अच्छा बॉन्ड है और वो उन दोनों से बहुत प्यार करती हैं.

कपल ने नहीं किया कंफर्म

कुनिका ने कहा कि वो चाहती हैं कि उन दोनों के बीच की दिक्कतें सुलझ जाएं. अगर वो फिर से साथ नहीं आते हैं, तो कुनिका उम्मीद करती हैं कि फ्यूचर में उन्हें अच्छे पार्टनर मिलें. कुनिका की इन बातों से साफ पता चलता है कि कपल का ब्रेकअप हो गया है. लेकिन अभी आवेज और नगमा की तरफ से कंफर्मेशन बाकी है.

संक्षिप्त समाचार

हैती में भारी बारिश से तबाही, 12 लोगों की मौत

पोर्ट-ऑ-प्रिंस, एजेंसी। हैती के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में लगातार हो रही भारी बारिश ने भारी नुकसान पहुंचाया है। इस आपदा में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों घर क्षतिग्रस्त हो गए। बारिश के कारण 900 से ज्यादा घरों में पानी भर गया और एक अस्पताल भी डूब गया। कई सड़कों और एक पुल के टूट जाने से राहत कार्य प्रभावित हो रहा है। प्रभावित इलाकों में खाने-पीने की चीजों की भारी कमी हो गई है। हालात इतने खराब हैं कि कई जगह स्कूल और व्यापारिक गतिविधियां बंद करनी पड़ी हैं। पहले से ही खाद्य संकट झेल रहे देश के लिए यह आपदा और बड़ी चुनौती बन गई है।

अमेरिका में एशियाई उपनाम तेजी से बढ़े

वाशिंगटन, एजेंसी। यूएस सेंसस ब्यूरो की नई रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में एशियाई उपनाम सबसे तेजी से बढ़ रहे हैं। हालांकि, स्मिथ, जॉनसन, विलियम्स जैसे पारंपरिक नाम अब भी सबसे ज्यादा प्रचलित हैं, लेकिन झांग, लियू और वांग जैसे एशियाई उपनामों की संख्या तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एशियाई समुदाय अब अमेरिका की कुल आबादी का लगभग 7 प्रतिशत हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि नामों का चुनाव संस्कृति और समाज से प्रभावित होता है। समय के साथ नए नामों का चलन बढ़ रहा है, जबकि पुराने नाम भी अपनी जगह बनाए हुए हैं।

नेपाल में नव वर्ष 2083 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया, प्रधानमंत्री ने लोगों को शुभकामनाएं दीं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में मंगलवार को विक्रम संवत कैलेंडर के अनुसार नव वर्ष 2083 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। बैसाख 1, जिसे बैसाख संक्रांति भी कहा जाता है, विक्रम संवत (बीएस) कैलेंडर के वर्ष परिवर्तन का प्रतीक है, जो सौर गति पर आधारित सबसे प्राचीन कैलेंडरों में से एक है। इस अवसर पर लोग मंदिरों में दर्शन करते हैं, भजन-कीर्तन करते हैं, सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 'बालेन' ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। रैप से राजनेता बने बालेन्द्र ने कहा, ''नव वर्ष 2083 के शुभारंभ के अवसर पर मैं सभी को सुख, शांति और समृद्धि की शुभकामनाएं देता हूं।'' राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने अपने नव वर्ष संदेश में देश के लोगों से साझा राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। 'हिमालयन टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव ने भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और देशवासियों से नव वर्ष का उपयोग सकारात्मक सोच, अनुशासन और भाईचारे को बढ़ावा देने के अवसर के रूप में करने का आग्रह किया।

तुर्किये : हाई स्कूल में गोलीबारी 16 घायल

अंकारा, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी तुर्किये में मंगलवार को एक पूर्व छात्र ने गोलीबारी की, जिसमें 16 लोग घायल हो गए। शॉटगन से लैस 18 वर्षीय हमलावर ने सानलिउर्फा प्रांत के सिवेरेक स्थित व्यावसायिक हाई स्कूल में अंधाधुंध फायरिंग की और फिर इमारत में छिप गया। बाद में उसने उसी शॉटगन से खुद को भी मार डाला।

घूसखोरी में चीनी रक्षा उद्योग के दिग्गज को 13 साल की जेल

बीजिंग, एजेंसी। चीन के रक्षा और ऑटो उद्योग के दिग्गज लियू वेइडोंग को रिश्वतखोरी के आरोप में 13 साल जेल की सजा सुनाई गई है। सरकारी शिन्हुआ के अनुसार, चाइना साउथ इंडस्ट्रीज ग्रुप के पूर्व उप महाप्रबंधक लियू ने 1999 से 2025 के बीच लगभग 41.4 मिलियन युआन (61 लाख डॉलर) की रिश्वत ली। अदालत ने पाया कि उन्होंने व्यावसायिक लाभ और पदोन्नति दिलाने के बदले कई लोगों और संगठनों से यह अवैध रकम ली थी। लियू ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

खैबर पख्तूनख्वा में हिंदू विवाह अधिनियम में किया संशोधन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार ने हिंदू विवाह अधिनियम 2017 में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। नए बदलाव के तहत अब जिला स्तर पर हिंदू विवाह रजिस्ट्रार नियुक्त किए जा सकेंगे। सरकार के मुताबिक, संशोधन का मुख्य उद्देश्य विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल और सुव्यवस्थित बनाना है। इससे हिंदू समुदाय को अपनी शादियों का पंजीकरण कराने में काफी आसानी होगी।

अमेरिका के बिना होर्मुज मिशन की योजना बना रहा है यूरोप; इस्राइल-लेबनान के बीच बातचीत

वाशिंगटन, एजेंसी। यूरोपीय देश अमेरिका और ईरान के बीच एक महीने से ज्यादा समय तक चले संघर्ष के बाद होर्मुज स्ट्रेट को लेकर एक योजना तैयार कर रहे हैं। यूरोपीय देश यह योजना होर्मुज स्ट्रेट से बिना अमेरिका के सीधे दखल के शिपिंग को सुरक्षित करने के लिए बना रहे हैं। ईरान-अमेरिका संघर्ष के दौरान ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को नया रूप दिया है। बता दें, ट्रांस-अटलांटिक अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय संघ के बीच एक रणनीतिक, सुरक्षा, राजनीतिक और आर्थिक साझेदारी है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से विश्व व्यवस्था की आधारशिला माना जाता रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन और फ्रांस की अगुवाई में एक प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत लड़ाई समाप्त होने के बाद समुद्री मार्गों पर भरोसा बहाल करने के लिए एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाया जाएगा। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस पहल में समुद्र में बिछी माइंस को हटाने के अभियान (माइन-क्लियरिंग ऑपरेशन) और नौसेना की तैनाती जैसे कदम शामिल होंगे। हालांकि, अमेरिका, इजरायल और ईरान जैसे सीधे तौर पर संघर्ष में शामिल देशों को इस गठबंधन से बाहर रखा जाएगा।

ईरान की नीति में होर्मुज को लेकर कोई बदलवा नहीं : ईरान में स्थित विश्लेषक अबास असलानी ने कहा है कि ईरान की नीति में होर्मुज को लेकर कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि ईरान ने अपनी स्थिति पहले जैसी ही बनाए रखी है और उसने जो नए नियम बनाए हैं, वे अमेरिका द्वारा लगाए गए नौसैनिक दबाव से पहले ही तैयार किए गए थे। असलानी के अनुसार, ईरान का मानना है कि युद्ध जैसी स्थिति में इन नए प्रोटोकॉल को लागू करना जरूरी है और यह उसके हित में है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका लगातार दबाव डाल रहा है ताकि ईरान अपनी नीतियों में बदलाव करे, लेकिन अब तक ईरान की ओर से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि वह अपनी स्थिति बदलने वाला है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास दो पाकिस्तानी तेल टैंकरों ने अचानक बदला रास्ता : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की ओर बढ़ रहे पाकिस्तानी झंडे वाले दो तेल टैंकरों ने अचानक 180 डिग्री घूमकर अपना रास्ता बदल लिया। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ये दोनों टैंकर पहले पूर्व दिशा में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन रविवार को उन्होंने दिशा बदलकर पश्चिम की तरफ वापस मुड़ गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही पूरी तरह ईरान की सेना के नियंत्रण में है, और वहां से गुजरने के लिए जहाजों को ईरान से अनुमति और जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, जो पर्शियन गल्फ को गल्फ ऑफ ओमान और अरब सागर से जोड़ता है, दुनिया के सबसे अहम तेल रास्तों में से एक है। यहां से दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा तेल सप्लाई होता है। होर्मुज गतिरोध और अल नीनो से वैश्विक खाद्य संकट की आशंका संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने दुनिया को संभावित बड़े खाद्य संकट के प्रति आगाह किया है। उसने कहा, होर्मुज गतिरोध व जलवायु प्रभाव अल नीनो तथा बायोफ्यूल की ओर बढ़ता रुझान ऐसे हालात पैदा कर सकते हैं, जिसे परफेक्ट स्टॉर्म कहा जा रहा है। एफएओ ने चेताया, यह संकट कोविड-19 के बाद पैदा हालात से भी गंभीर होकर वैश्विक खाद्य आपूर्ति तथा कीमतों पर व्यापक असर डाल सकता है। होर्मुज से विश्व स्तर पर 20-45% अहम कृषि चीजें, उर्वरक गुजरते हैं। यदि यहां जारी गतिरोध जल्द खत्म नहीं हुआ तो उर्वरक और ऊर्जा की आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिसका सीधा असर खेती और खाद्य उत्पादन पर पड़ेगा। एफएओ के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा, दुनिया इनपुट संकट की ओर है। यानी खेती संसाधन या तो महंगे हो रहे हैं अथवा उपलब्धता घट रही है। फसल उत्पादन और कीमतों पर आने वाला असर....एफएओ के अनुसार मार्च 2026 में खाद्य मूल्य सूचकांक अपेक्षाकृत स्थिर रहा क्योंकि अनाज समेत अधिकांश खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता थी। लेकिन अप्रैल में हालात बिगड़ने लगे हैं और मई में यह और स्पष्ट होगा, क्योंकि किसान अपनी बुवाई का फैसला उपलब्ध उर्वरकों और लागत के आधार पर करेंगे। यदि उन्हें पर्याप्त संसाधन नहीं मिले तो 2026 और 2027 में फसल उत्पादन घट सकता है, जिससे खाद्य वस्तुओं की कीमतें और खुदरा महंगाई बढ़ने की आशंका है।

अमेरिकी सीनेटर ने ट्रंप से ओपीटी कार्यक्रम खत्म करने की अपील की, कहा- हमारे युवाओं के रोजगार पर पड़ रहा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में विदेशी छात्रों से जुड़े एक अहम वर्क परमिट कार्यक्रम को लेकर सियासत तेज हो गई है। रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी)' प्रोग्राम को खत्म करने की अपील की। उनका दावा है कि यह योजना अमेरिकी युवाओं के रोजगार पर असर डाल रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकती है, खासकर चीन के संदर्भ में। सीनेटर स्कॉट ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि यह कार्यक्रम तुरंत ध्यान देने वाला मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी छात्रों को मिलने वाले ये वर्क परमिट न सिर्फ अमेरिकी ग्रेजुएट्स के नौकरी के अवसर कम करते हैं, बल्कि इनका दुरुपयोग भी हो रहा है। स्कॉट ने खासतौर पर चीन का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक 'स्वयं घोषित दुश्मन देश' है, जो इस व्यवस्था का फायदा उठा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में युवा ग्रेजुएट्स की नौकरी की स्थिति पहले जैसी नहीं रही। पहले नए ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम लोगों से कम होती थी, लेकिन 2020 के बाद से यह स्थिति बदल गई है। खासकर एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स) क्षेत्र में हालात और चिंताजनक बताए गए हैं। उनके मुताबिक, कंप्यूटर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम दर से लगभग दोगुनी है, जबकि कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट्स में यह 50 प्रतिशत ज्यादा है। सीनेटर रिक स्कॉट ने दावा किया कि ओपीटी प्रोग्राम इस समस्या को और बढ़ा रहा है। उनके अनुसार, इस समय 5 लाख से ज्यादा छात्र वीजा धारकों के पास ओपीटी वर्क परमिट हैं, जो उन्हें पढ़ाई के बाद भी अमेरिका में काम करने और अमेरिकी युवाओं से प्रतिस्पर्धा करने के मौके देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए सीनेटर स्कॉट ने कहा कि यह सिस्टम जासूसी और तकनीकी जानकारी के ट्रांसफर के लिए भी इस्तेमाल हो सकता है। उन्होंने बताया कि करीब 33,000 चीनी नागरिक एसटीईएम ओपीटी के तहत अमेरिका में काम कर रहे हैं, जिनमें से कई विश्वविद्यालयों और बड़ी टेक कंपनियों में काम करते हैं, जहां उन्हें संवेदनशील तकनीकी जानकारी तक पहुंच मिलती है। इसके अलावा, सीनेटर स्कॉट ने कहा कि ओपीटी प्रोग्राम का कोई स्पष्ट कानूनी आधार नहीं है और यह केवल नियमों के जरिए बनाया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसटीईएम ओपीटी विस्तार, एच-1बी वीजा की सीमाओं को दरकिनार करने का एक तरीका है।

पाकिस्तान के एक अस्पताल में कई बार सिरिंज इस्तेमाल करने से 300 से ज्यादा बच्चे हुए एचआईवी पॉजिटिव

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के एक अस्पताल में सिरिंज के बार-बार उपयोग से 331 बच्चों में एचआईवी संक्रमण होने की सनसनीखेज खबर सामने आई है। एक तस्वीर में अस्पताल के स्टाफ द्वारा मल्टी-डोज वायल्स पर सिरिंज का पुनः उपयोग करने और बिना स्टेराइल दस्तानों के मरीजों को इंजेक्शन लगाने की घटना कैद हुई है। इसके बाद जांच में बच्चों की एचआईवी रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई संक्रमण असुरक्षित इंजेक्शन प्रैक्टिस से जुड़े हो सकते हैं। बीबीसी न्यूज़ की एक गुप्त जांच ने पाकिस्तान के टीएचक्यू अस्पताल टौन्सा में संक्रमण नियंत्रण की गंभीर विफलताओं को उजागर किया है, जहां स्टाफ को बच्चों पर सिरिंज का पुनः उपयोग करते हुए दिखाया गया है। फुटेज में स्वच्छता मानकों का भी गंभीर उल्लंघन किए जाने और एक ही उपकरण (सिरिंज) का कई मरीजों पर पुनः उपयोग दिखाया गया, जो असुरक्षित चिकित्सा प्रथाओं से जुड़े एचआईवी संक्रमण का कारण बन रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एचआईवी संक्रमण के चलते आठ वर्षीय एक बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। इसकी रिपोर्ट कुछ दिनों पहले ही पॉजिटिव पाई गई थी। बच्चे की माँ ने बताया कि मौत से पहले उसके आखिरी दिनों में बच्चे को तेज बुखार और तेज दर्द की पीड़ा झेलनी पड़ रही थी। कुछ समय बाद उस बच्चे की बहन भी एचआईवी पॉजिटिव पाई गई। परिवार का मानना है कि दोनों बच्चे सरकारी अस्पताल में रूटीन इलाज के दौरान दिए गए दूषित इंजेक्शन से वायरस की चपेट में आए। यह प्रकोप सबसे पहले दिसंबर 2024 के अंत में स्थानीय चिकित्सक डॉ. गुल कैसरानी के ध्यान में आया, जब उन्होंने अपने क्लिनिक आने वाले बच्चों में एचआईवी मामलों में असामान्य वृद्धि देखी। बीबीसी की जांच में नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच टौन्सा में कम से कम 331 बच्चों के एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने की पुष्टि हुई। सबूतों से पता चलता है कि इनमें से कई संक्रमण असुरक्षित इंजेक्शन प्रथाओं से जुड़े हो सकते हैं। कई मामलों में एक ही वायल का इस्तेमाल अलग-अलग बच्चों के इलाज के लिए किया गया।

अंडमान सागर हादसाः शरणार्थियों को ले जा रहा जहाज पलटा, 250 लोगों के मरने की आशंका

ढाका, एजेंसी। अंडमान सागर में मंगलवार को रोहिंग्या शरणार्थियों और बांग्लादेशी नागरिकों समेत लगभग 250 लोगों को ले जा रहे एक जहाज के समुद्र में पलट जाने के बाद बड़े पैमाने पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है.

संयुक्त राष्ट्र संघ हाई कमिश्नर फॉर रिफ्यूजी और इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर इस घटना पर 'गहरा दुख' जताया है. यह घटना ऐसे समय हुई जब यह इलाका बंगाली न्यू ईयर मना रहा है. खबर है कि दक्षिणी बांग्लादेश के टेकनाफ से निकला यह जहाज मलेशिया जा रहा था, जब तेज हवाओं और बहुत ज्यादा भीड़ की वजह से यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया. यह दुखद घटना लंबे समय तक विस्थापन और रोहिंग्या के लिए पक्के समाधानों की कमी के भयानक नतीजों को दिखाती है. रखाइन राज्य में जारी हिंसा ने जल्द ही सुरक्षित वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया है, जबकि मानवीय मदद में कमी, रिफ्यूजी कैंपों में रहने के मुश्किल हालात, और शिक्षा और रोज़ी-रोटी तक सीमित पहुंच रिफ्यूजी को सुरक्षा और मौके की तलाश में ऐसे खतरनाक समुद्री सफर करने पर मजबूर कर रही है. विदेश में बेहतर सैलरी का वादा और अक्सर स्मगलिंग नेटवर्क से फैलाई गई गलत जानकारी, लोगों, रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को बड़े रिस्क लेने पर मजबूर करती है. ये वजहें ऐसी स्थितियाँ बनाती हैं जिनमें स्मगलर और ट्रैफिकर कमज़ोरियों का फायदा उठा सकते हैं, जिससे जान को बड़ा खतरा हो सकता है. बयान में कहा गया, 'अंडमान सागर इन खतरनाक यात्राओं पर जाने वाले लोगों की जान लेता रहता है.' एजेंसियों ने आगे जोर दिया कि माना जा रहा है कि लापता यात्रियों में परिवार, महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं, जो इस इलाके में बेघर समुदायों के सामने बढ़ते मानवीय संकट को दिखाता है. उन्होंने बताया कि इसमें शामिल बहुत ज़्यादा खतरों के बारे में बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद इस तरह के समुद्री क्रॉसिंग बहुत आम हो गए हैं. बयान में आगे कहा गया, 'हम अंततराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हैं कि वे बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए जान बचाने वाली मदद और बांग्लादेशी होस्ट कम्युनिटी की मदद के लिए एकजुटता दिखाएं और फंडिंग बनाए रखें. जैसे ही बांग्लादेश अपना नया साल मना रहा है, यह दुखद घटना म्यांमार में विस्थापन के असली कारणों को दूर करने और ऐसे हालात बनाने की तुरंत जरूरत की याद दिलाती है, जिससे रोहिंग्या शरणार्थी अपनी मर्ज़ी से सुरक्षित और इज्जत के साथ घर लौट सकें.' इसमें आगे चेतावनी दी गई, 'सब मिलकर काम किए बिना, समुद्र में और खतरनाक रास्तों से गुजरते हुए और भी जानें जाएंगी.' 2017 में म्यांमार में हिंसा के बाद बढ़े रोहिंग्या संकट के कारण बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ है।

ईरान के साथ जंग के बीच चीन को भी संदेश! फिलीपींस के साथ बड़ा युद्धाभ्यास करेगा अमेरिका

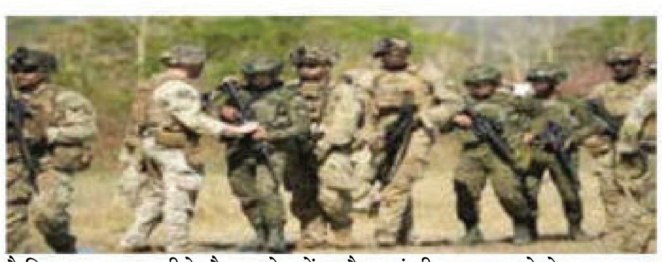

मनीला, एजेंसी। एशिया में अपनी मजबूत मौजूदगी दिखाने के लिए अमेरिका और फिलीपींस के बीच इस साल एक बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित किया जा रहा है। अमेरिकी सेना के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इस अभ्यास में दोनों देशों के 17,000 से ज्यादा सैनिक हिस्सा लेंगे। माना जा रहा है कि अमेरिका इस सैन्य अभ्यास के जरिए इलाके का चौधरी बनने की कोशिश कर रहे चीन को भी संदेश देने की कोशिश कर रहा है। यह युद्धाभ्यास 20 अप्रैल से 8 मई तक चलेगा और इसे 'बालिकातन' नाम दिया गया है जिसका मतलब है 'कंधे से कंधा मिलाकर'। एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह अभ्यास सीधे तौर पर क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच एक मजबूत संदेश है। इस दौरान जापान की सेना भी शामिल होगी और फिलीपींस के उत्तर-पश्चिमी समुद्री इलाके में एक जहाज को मिसाइल से डुबाने का अभ्यास करेगी। यह इलाका विवादित दक्षिण चीन सागर के करीब है, जहां चीन लगभग पूरे क्षेत्र पर अपना दावा करता है। फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान भी इस समुद्री इलाके पर दावा करते हैं, लेकिन हाल के वर्षों में चीन और फिलीपींस के बीच टकराव तेजी से बढ़ा है। बीते कुछ सालों में कई बार दोनों देशों के जहाज आमने-सामने आ चुके हैं। इस बार के अभ्यास में फ्रांस और कनाडा की सेनाएं भी शामिल होंगी, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि चीन के खिलाफ क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ रहा है। अमेरिकी सेना के प्रवक्ता कर्नल रॉबर्ट बन्न ने कहा, 'हमारा संदेश साफ है, हम अपने सहयोगियों और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने यह भी बताया कि अभ्यास में ड्रोन हमलों से निपटने की तैयारी भी शामिल होगी। हालांकि, चीन पहले भी इस तरह के सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है, खासकर तब जब उसमें अमेरिका शामिल होता है। चीन का कहना है कि ऐसे अभ्यास क्षेत्र में तनाव बढ़ाते हैं।

यूके में भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट बर्खास्त

लंदन, एजेंसी। यूके में एक भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु को अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने और आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया। कारण यह रहा कि वह मरीजों और सहकर्मियों की बात ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। यह मामला जून 2024 का हो, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है। कीर्तना ने अक्टूबर 2023 में यॉर्क एंड स्कारबरो टीचिंग हॉस्पिटल्स हॢस्ट्रस्ट जॉइन किया था। जॉइनिंग के कुछ ही समय बाद सहकर्मियों को पता चला कि वह मरीजों और स्टाफ की अंग्रेजी ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। स्पीच थेरेपिस्ट होने के बावजूद उन्हें उच्चारण, व्याकरण और बातचीत समझने में समस्या थी। अंततः जून 2024 में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

अंग्रेजी फर्स्ट लैंग्वेज का दावा गलत निकला : आवेदन में कीर्तना ने अंग्रेजी को अपनी पहली भाषा बताया था, लेकिन बाद में रिव्यू मीटिंग में स्वीकार किया कि उनकी मातृभाषा तेलुगु है। बाद में दिसंबर में उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ-साथ अंग्रेजी सुधारने के लिए क्लास भी ले रही थीं। इस मामले में एक और अहम बात सामने आई कि नौकरी के आवेदन में उन्होंने अंग्रेजी को अपनी 'फर्स्ट लैंग्वेज' बताया था। जबकि फॉर्म के नियमों के अनुसार, 'फर्स्ट लैंग्वेज' वही मानी जाती है जो व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता हो। केवल अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करना इसे पहली भाषा नहीं बनाता। आमने-सामने की बातचीत से बचना चाहती थी कीर्तना कीर्तना के मैनेजर ने यह भी बताया कि इंटरव्यू के दौरान उसने चैट बॉक्स के जरिए सवाल पूछने का अनुरोध किया था, यानी आमने-सामने बातचीत से बचना चाहती थीं। इसे असामान्य माना गया, खासकर इसलिए क्योंकि वह उस समय यूके में ही रह रही थीं। अस्पताल ट्रस्ट के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि साई कीर्तना अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक काम पर थीं और जून में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। कीर्तना ने इस फैसले को चुनौती दी और कहा कि उनकी पढ़ाई अंग्रेजी में हुई है, इसलिए इसे उनकी पहली भाषा माना जाना चाहिए। लेकिन पैनल ने इस तर्क को नहीं माना। पैनल का कहना था कि उन्होंने नौकरी पाने के लिए गलत जानकारी दी और यह धोखा देने की कोशिश थी। इसके बाद उन्हें रजिस्टर से हटा दिया गया। ट्रिब्यूनल ने क्या कहा आवेदन फॉर्म में साफ लिखा होता है कि 'क्या अंग्रेजी आपकी पहली भाषा है?' इसका जवाब 'हां' तभी देना चाहिए, जब अंग्रेजी आपकी रोजमर्रा की मुख्य भाषा हो। सिर्फ अंग्रेजी में पढ़ाई करने से यह पहली भाषा नहीं मानी जाती। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, साई कीर्तना का कहना था कि उन्हें सच में लगता था कि उनकी शिक्षा और पेशेवर काम के संदर्भ में अंग्रेजी को उनकी पहली भाषा माना जा सकता है।

सुपर टाइफून सिनलाकू ने अमेरिका के दूरस्थ द्वीपों पर मचाई तबाही, 240 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से चली हवाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रशांत महासागर में उमड़े सुपर टाइफून ने अमेरिका के दो दूरस्थ द्वीपों पर भयंकर तबाही मचाई है। तेज हवाओं और लगातार बारिश के चलते इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। तेज टाइफून के चलते टिन की छतें उड़ गईं और निवासियों को हवा में उड़ते पेड़ों की डालियों से बचने के लिए सुरक्षित ठिकानों पर आश्रय लेना पड़ा। सुपर टाइफून सिनलाकु ने बुधवार को सुबह होने से पहले कई घंटों तक उत्तरी मारियाना द्वीप समूह पर हमला किया। यह धीमा होकर भी टिनियन और सैपान द्वीपों पर ज्यादा नुकसान पहुंचाता रहा। इन द्वीपों पर लगभग 50,000 लोग रहते हैं।

कमजोर घरों और पेड़ों को उड़ा ले गया सुपर टाइफून : सैपान में पले-बढ़े ग्लेन हंटर ने कहा, 'मेरा अनुमान है कि जो भी लकड़ी और टिन से बना था, वह इस तूफान में नहीं बच पाया।' उन्होंने अपनी आंखों के सामने कम से कम तीन टिन की छतें अपने आंगन से उड़कर जाते देखीं। कई टाइफून झेल चुके हंटर ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यह अब तक का सबसे शक्तिशाली टाइफून लग रहा था। उन्होंने कहा कि बारिश उनके कंक्रीट के घर की हर दरार से अंदर घुस रही थी। यह हार का खेल हो गया था क्योंकि बारिश हर तरफ से आ रही थी। हर घर पानी से भर गया है।

इस साल धरती का सबसे शक्तिशाली टाइफून : राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार यह इस साल पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली यह उष्णकटिबंधीय टाइफून था, जो द्वीपों पर टकराते समय 150 मील प्रति घंटा (240 किलोमीटर प्रति घंटा) तक की निरंतर हवाएं लेकर आया था। मौसम सेवा ने बताया कि ट्रॉपिकल फोर्स हवाओं और भारी बारिश के कारण दक्षिण में स्थित अमेरिकी क्षेत्र गुआम में भी अचानक बाढ़ आ गई। गुआम पर अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं और वहां लगभग 1,70,000 लोग रहते हैं। बुधवार तड़के मारियाना द्वीपों पर हवा की रफ्तार कुछ कम हुई, लेकिन हालात तुरंत नहीं सुधरे। सैपान के मेयर रामोन 'आरबी' जोस ब्लास कामाचो ने मंगलवार देर रात कहा, 'यह हम पर बहुत जोरदार हमला कर रहा है। इस भारी बारिश और तेज हवाओं में लोगों को बचाना हमारे लिए बेहद मुश्किल है। चारों तरफ चीजें उड़ रही हैं।' उन्होंने बताया कि पेड़ उखड़ गए और लकड़ी व टिन की संरचनाएं ढह गईं। वे अपने ऑफिस के शीशे के दरवाजे को चिंता से देख रहे थे।

मौसम वैज्ञानिक ने दी बड़ी चेतावनी : मौसम वैज्ञानिक लैंडन एडलेट ने कहा, 'टिनियन और सैपान के किसी भी व्यक्ति के लिए यह आसान रात नहीं होने वाली। यह बहुत शोर भरी रात होगी।' फेसबुक पर लाइव प्रसारण में उन्होंने कहा कि कई लोग 'सुबह उठकर एक अलग द्वीप देखेंगे। 'सैपान उत्तरी मारियाना द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप और उसकी राजधानी भी है। यह रिसॉर्ट्स, स्नॉर्कलिंग और गोल्फ के लिए प्रसिद्ध है। तूफान का सबसे बुरा असर रात के अंधेरे में पड़ा और बुधवार सुबह तक कई घंटों तक जारी रहने की उम्मीद थी। अगले कुछ दिनों में यह थोड़ा कमजोर होने की उम्मीद है, लेकिन सिनलाकु द्वीपों को पार करते समय कैटेगरी 4 टाइफून के रूप में था। 2023 में टाइफून मावर ने मारियाना द्वीप और गुआम में कई दिनों तक बिजली गुल कर दी थी, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने कर्मचारियों को अपने स्थान पर शरण लेने की चेतावनी दी है। गुआम पर अमेरिकी सेना लगभग एक-तिहाई जमीन नियंत्रित करती है और यह प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी बलों का महत्वपूर्ण केंद्र है। गुआम स्थित मौसम सेवा स्टेशन से एडलेट ने बताया कि टाइफून उत्तरी मारियानास की ओर मुड़ने से पहले माइक्रोनीशिया के संघीय राज्य के चूक द्वीप समूह के बाहरी द्वीपों और एटॉल्स को काफी नुकसान पहुंचा चुका था। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को 'टाइफून एली' कहते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com